@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 20 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 195 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सुप्रीम कोर्ट बोला- खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें

• लोगों की सुरक्षा जरूरी; जो अफसर निर्देश न माने, उस पर अवमानना का केस चले

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड,

रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था। इसके बाद कई डॉग लवर्स और NGO ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 राज्यों में कुत्तों के काटने की घटनाएं गिनाईं

● राजस्थान के श्री गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं।
● तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में कुत्तों के काटने की लगभग
● 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं।
सूरत में एक जर्मन यात्री को कुत्ते ने काट लिया।

भारत और नॉर्वे ने 5 बड़े रणनीतिक समझौतों पर किए हस्ताक्षर

ये समझौते, सतत विकास, समुद्री तकनीक, नवाचार और भू-विज्ञान सहयोग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान भारत और नॉर्वे ने विज्ञान और तकनीक साझेदारी को मजबूत करते हुए पांच बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते ग्रीन एनर्जी, सतत विकास, समुद्री तकनीक, नवाचार और भू-विज्ञान सहयोग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संस्थागत सहयोग मजबूत करना, उद्योग और स्टार्टअप भागीदारी बढ़ाना, शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना और सतत विकास परियोजनाओं को तेजी देना है। सबसे अहम समझौतों में से एक डीएसआईआर/सीएसआईआर (काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) और नॉर्वे की रिसर्च काउंसिल ऑफ नॉर्वे (आरसीएन) के बीच हुआ, जिसके तहत रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, इनोवेशन और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाया जाएगा। समझौते में

संयुक्त कार्यशालाएं, रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, वैज्ञानिकों के एक्सचेंज प्रोग्राम और जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग की व्यवस्था शामिल है।

इसके अलावा, सीएसआईआर ने नॉर्वे की प्रमुख स्वतंत्र रिसर्च संस्था एसआईएनटीईएफ के साथ 2026-2029 के लिए एक नया सहयोग समझौता भी किया। यह साझेदारी सर्कुलर इकोनॉमी और सस्टेनेबिलिटी ट्रांजिशन पर केंद्रित होगी, जिसके तहत बायो-बेस्ड मैटेरियल, ओशन एनर्जी, ऑफशोर विंड, कार्बन कैप्चर, स्टोरेज और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रिसर्च और इनोवेशन कार्यक्रम चलाए जाएंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण समझौते के तहत कई सीएसआईआर संस्थानों ने एसआईएनटीईएफ संस्थाओं के साथ समुद्री ऊर्जा और ऑफशोर विंड एनर्जी तकनीकों पर प्रोजेक्ट आधारित सहयोग समझौता किया। इस सहयोग में सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, सीएसआईआर-नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेट्रीज, सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी और सीएसआईआर-फोर्थ पैराडाइम इंस्टीट्यूट शामिल हैं। वहीं नॉर्वे की ओर से एसआईएनटीईएफ ओशन, एसआईएनटीईएफ डिजिटल, एफएमई नॉर्थविंड और एसआईएनटीईएफ कम्युनिटी इस साझेदारी का हिस्सा होंगे। इस संयुक्त कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की ऑफशोर रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को मजबूत करना और देश के नवीकरणीय ऊर्जा तथा कार्बन न्यूट्रैलिटी लक्ष्यों को समर्थन देना है।

भारत में आईएसआई की ड्रोन के जरिए नकली नोट भेजने की साजिश

भारतीय एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी
नई दिल्ली । एजेंसियों की जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की आईएसआई और उसके मददगार भारत में बड़े पैमाने पर नकली नोट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता के इलाके त्रिपुरा-बांग्लादेश बॉर्डर और पंजाब हैं। बांग्लादेश बॉर्डर पर नकली नोट भारत में पहुंचाने के लिए कूरियर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि पंजाब में ड्रोन के जरिए यह खतरा तेजी से बढ़ रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि नकली भारतीय नोटों को लेकर आईएसआई ने दो तरफा रणनीति अपनाई है। एक तरफ उसका मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना है, और दूसरी तरफ वह पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों के लिए फंड जुटाना चाहती है। अधिकारी ने कहा कि पंजाब की तुलना में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर

यह समस्या ज्यादा गंभीर है। इस समस्या से निपटने में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) सबसे आगे काम कर रही है। एनआईए बॉर्डर पर इस खतरे को रोकने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के अंदर भी कई मामलों की जांच कर रही है। राज्य में उसका मुख्य फोकस मालदा पर है, जहां नकली नोट छापने वाली कई यूनिट्स सामने आई हैं। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर

● अधिकारी ने यह भी कहा कि अभी लापरवाही बरतने का समय नहीं है, क्योंकि ये कोशिश सिर्फ 'ड्राई रन' यानी ट्रायल हो सकती हैं। ये लोग सुरक्षा व्यवस्था को समझने और उसकी कमजोरियां जानने की कोशिश कर रहे हैं।'

आईएसआई नकली नोट भेजने के लिए ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल कर सकती है। अभी तक ड्रोन के जरिए नकली नोट गिराने की लगभग सभी कोशिश नाकाम की गई हैं।

'आप' सरकार ने पंजाब के किसानों के लिए गांवों को तारों और खंभों से मुक्त करने का वादा निभाया: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
संगरूर, 19 मई। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब को देश का पहला खंभा-मुक्त गांवों वाला राज्य बनाने के लिए आज अपने पैतृक गांव सतौज में बिजली की तारों को अंडरग्राउंड (जमीनदोज) करने के प्रोजेक्ट का शिलान्यास करके अपनी तरह की अनूठी और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की। किसानों और गांवों के लोगों को बड़ी राहत देते हुए भगवंत मान सरकार ने फसलों में आग लगने की घटनाओं और जानलेवा हादसों को रोकने तथा ऊपर से गुजरने वाली तारों (ओवरहेड लाइनों) के कारण बार-बार होने वाले बिजली कटौती को खत्म करने के लिए बिजली की तारों को जमीनदोज करना शुरू कर दिया है, जिससे गांवों को खतरनाक खंभों और उलझी हुई तारों के जाल से मुक्ति मिलेगी। इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत सतौज में 384 बिजली के खंभे हटा दिए जाएंगे और सड़कों को खोदे बिना जमीनदोज केबलें बिछाई जाएंगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस प्रोजेक्ट को आधुनिक बुनियादी ढांचे, निर्विघ्न बिजली सप्लाई और सुरक्षित गांवों पर आधारित रोशन पंजाब की शुरुआत बताया। 'सतौज मॉडल' को पूरे देश के लिए मिसाल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने पंजाब के किसानों से गांवों को तार-मुक्त करने का अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जमीनदोज बिजली सप्लाई से गांवों में बिजली के खंभे लगाने को लेकर होने वाली सियासत भी खत्म हो जाएगी। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज पंजाब के गांवों के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि गांवों को बिजली की तारों के जाल और अनावश्यक खंभों से मुक्त करने का व्यापक प्रोजेक्ट यहीं से शुरू किया जा रहा है। इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत सतौज में बिजली की ऊपर से गुजरने वाली तारों को करीब 8 करोड़ रुपए की लागत से जमीनदोज

किया जाएगा। यह देश का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है और इस पहल से पंजाब पूरे देश के लिए मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में उभरेगा। प्रोजेक्ट के तकनीकी विवरण के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया, इस प्रोजेक्ट के तहत 7 किलोमीटर हाई टेंशन (एच.टी.) लाइनें, 9.5 किलोमीटर लो टेंशन (एल.टी.) लाइनें और 800 उपभोक्ताओं के घरों को जोड़ने वाली 41 किलोमीटर सर्विस केबल जमीनदोज बिछाई जाएगी। सतौज के 66 के.वी. ग्रिड से गांव से जुड़े तीन 11 के.वी. फीडर और इससे जुड़े 28 ट्रांसफार्मरों की सारी हाई टेंशन लाइनें जमीनदोज हो जाएंगी। इसके बाद 28 ट्रांसफार्मरों से मीटर बॉक्सों तक की सारी लो टेंशन लाइनें भी जमीनदोज की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, मीटर बॉक्सों को सारे घरों से जोड़ने वाली केबलों को भी जमीनदोज किया जाएगा, जिससे 384 अनावश्यक बिजली के खंभे हटा दिए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की खासियत यह है कि जमीनदोज केबलें बिछाने के लिए सड़कें खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

रायबरेली दौरे पर राहुल का सरकार पर प्रहार, बोले-

महंगाई से आम आदमी बेहाल

एजेंसी
रायबरेली । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को रायबरेली दौरे के दौरान केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला। बछरावां विधानसभा क्षेत्र के ठकुराइन खेड़ा गांव में सांसद निधि से निर्मित बारातघर का उद्घाटन करने पहुंचे राहुल गांधी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल समेत रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि देश का आम नागरिक आर्थिक दबाव झेल रहा है, लेकिन सरकार जनता की परेशानियों को गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिसका सीधा असर किसानों, युवाओं, मजदूरों और छोटे कारोबारियों पर पड़ेगा।राहुल गांधी ने कहा कि

रायबरेली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों और मेहनतकश वर्ग की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है और सरकार को राहत देने वाले फैसले लेने चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी और आइसलैंड की पीएम के बीच ओस्लो में द्विपक्षीय बैठक

• भारत-नॉर्डिक सहयोग पर जोर

एजेंसी
ओस्लो । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ओस्लो में अपनी आइसलैंड की समकक्ष क्रिस्ट्रुन फ्रॉस्टाडॉटिर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी इस समय नॉर्वे के दो दिवसीय दौरे पर हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन अप्रैल 2018 में स्टॉकहोम और मई 2022 में कोपेनहेगन में हुए पिछले दो शिखर सम्मेलनों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए भारत-नॉर्डिक देशों के रिश्तों को

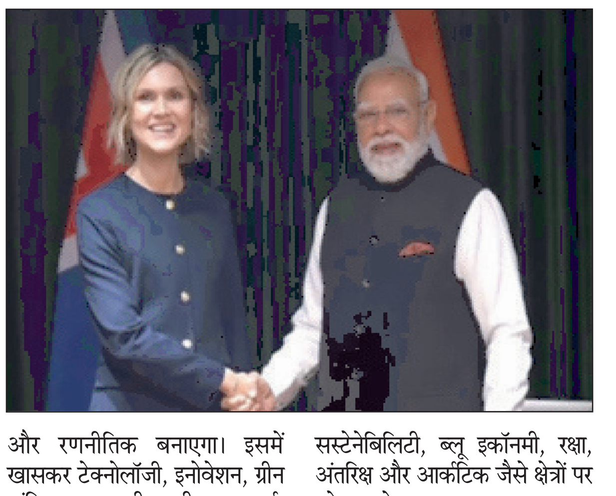

और रणनीतिक बनाएगा। इसमें खासकर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, ग्रीन ट्रांजिशन, नवीकरणीय ऊर्जा, सस्टेनेबिलिटी, ब्लू इकॉनमी, रक्षा, अंतरिक्ष और आर्कटिक जैसे क्षेत्रों पर फोकस होगा।

पंजाब सरकार को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का नोटिस

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने जनगणना से संबंधित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया है। यह शिकायत राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना को दी गई थी। शिकायत में कहा गया है कि जनगणना प्रक्रिया में वाल्मीकि समुदाय के संदर्भ में अपमानजनक शब्दों के उपयोग से समुदाय में रोष है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आयोग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब के निदेशक तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग, पंजाब सरकार के प्रमुख सचिव को 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जातियों के सम्मान, अधिकार और गरिमा की रक्षा आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोग इस विषय पर प्राप्त रिपोर्ट और कार्रवाई के आधार पर आगे आवश्यक कदम उठाएगा।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने पुरी में महाप्रभु श्री जगन्नाथ के दर्शन किए

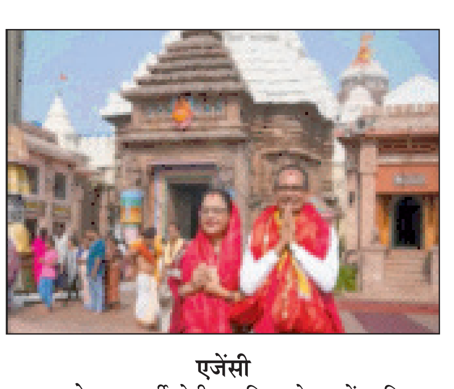

एजेंसी
भुवनेश्वर। पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन में शामिल होने के लिए ओडिशा पहुंचे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन किए। उनके साथ उनकी पत्नी भी थीं। महाप्रभु के दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ जी की कृपा सभी पर अनवरत बरसती रहे, हर घर-आंगन धन-धान्य से भरा रहे और सबके जीवन में अपार सुख, समृद्धि और आनंद हो, यही मेरी प्रार्थना है।

असम और मणिपुर के बीच शंकरदेव की वैष्णव परंपरा का गहरा नाता: सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

इन दोनों पूर्वोत्तर राज्यों की वैष्णव परंपराएं इस क्षेत्र की साझा सभ्यतागत विरासत को लगातार मजबूत कर रही हैं।

एजेंसी
गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को असम और मणिपुर के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन दोनों पूर्वोत्तर राज्यों की वैष्णव परंपराएं इस क्षेत्र की साझा सभ्यतागत विरासत को लगातार मजबूत कर रही हैं। मध्यकालीन संत-सुधारक महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पूजनीय श्री श्री बटाद्रवा थान से 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के पारंपरिक वाद्ययंत्र 'खोल' और मणिपुर के 'पुंग' की संगीतमय गूंज ने एक बार फिर पूर्वोत्तर की

सांस्कृतिक एकता को जीवंत कर दिया है। सीएम सरमा ने पोस्ट में लिखा, 'असम और मणिपुर वैष्णव परंपराओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली श्रीश्रीबटद्रवा थान में असम के खोल और मणिपुर के पुंग की सुर लहरियों ने एक बार फिर उत्तर-पूर्व की सांस्कृतिक एकता को जीवंत कर दिया। ' मुख्यमंत्री ने असम के नगांव जिले में स्थित ऐतिहासिक धार्मिक स्थल पर, दोनों राज्यों की भक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों और पारंपरिक वाद्य-यंत्रों की झलक दिखाने वाला एक वीडियो साझा करते हुए यह संदेश दिया। असम और मणिपुर के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव कई सदियों पुराना है। यह 15वीं और 16वीं शताब्दी के दौरान असम में श्रीमंत शंकरदेव द्वारा शुरू किए गए नव-वैष्णववाद के प्रसार से गहराई से जुड़ा हुआ है।

राजस्थान में दो बहनों की आत्महत्या मामले में एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने जोधपुर में दो बहनों के साथ कथित रूप से लंबे समय तक सामूहिक दुष्कर्म, ब्लैकमेल, यौन शोषण एवं बाद में आत्महत्या किए जाने संबंधी मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। अध्यक्ष विजया रहाटकर ने राजस्थान के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर मामले में तत्काल, निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। आयोग ने एफआईआर में लगाए गए प्रावधानों, सभी आरोपितों की गिरफ्तारी, जांच की वर्तमान स्थिति, डिजिटल एवं फोरेंसिक साक्ष्यों, पीड़ित

परिवार द्वारा पूर्व में की गई शिकायतों पर कथित पुलिस निष्क्रियता तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही संबंधी विवरण मांगे हैं। साथ ही पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, सुरक्षा एवं पुनर्वास सहायता तथा भविष्य में महिलाओं से जुड़े यौन अपराधों एवं ब्लैकमेल के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी मांगी गई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र पर बरसे खड़गे, कहा-

नाकामियों का बोझ जनता पर डाल रही सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुई ताजा बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों की नाकामियों को छिपाने की कोशिश करते हुए आम नागरिकों पर बोझ डाल रही है। खड़गे की यह टिप्पणी तब आई जब सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच, एक हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ा दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर खड़गे ने कहा, 'दाम बढ़े चार ही दिन हुए कि मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़ा दिए। पूरी भूमिका बनाकर, बचत का उपदेश देकर अपनी नाकामियों का बोझ जनता पर डालने

का कार्य प्रगति पर है। ' भारत के तेल आयात और विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा कि विश्वगुरु का झूठा दंभ भरने वाले पीएम मोदी ने अमेरिका से हाथ-पैर जोड़कर रूसी तेल खरीदने की इजाजत का एक महीने का एक्सटेंशन लिया है। हर बार ऐसा करके वो 140 करोड़ भारतीयों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं। ऐसा पहले किसी पिछली सरकार ने नहीं किया है। अब सवाल है कि अगर सरकार के अनुसार, हमें ऐसा करने की 'अनुमति' मिली हुई है, तो फिर पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों का बोझ अभी भी आम लोगों पर क्यों डाला जा रहा है?

उन्होंने कहा कि मैं एक बार फिर दोहराता हूं: भाजपा में दूरदर्शिता और नेतृत्व की भारी कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब संकट आया, तो वे चुनावों में व्यस्त रहे और जनता को 'लूटने' की योजना बनाते हुए 'मीठी-मीठी बातों' में लगे रहे।

सड़कों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सीजेआई सूर्यकांत की नसीहत, आंदोलन से उनका करियर हो सकता है बर्बाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर देश के युवाओं को लेकर टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि किसी को भी धमकी नहीं देनी चाहिए और ना ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दावे पर प्रतिक्रिया दी कि सड़कों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं और इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, कानून के तहत जो अनुमति है, वह किया जा सकता है। लेकिन सड़कों पर आकर आम लोगों के लिए परेशानी पैदा नहीं करनी चाहिए।

ऋषिकेश में उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतरे, टला बड़ा हादसा

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश में सोमवार रात उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गए। योगनगरी रेलवे स्टेशन पर हुई घटना में, जब इंजन शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर से टकराया, तब ट्रेन के डिब्बों पर अत्यधिक दबाव पड़ गया। हालांकि, ट्रेन खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6 बजे योगनगरी स्टेशन पहुंची यह ट्रेन मंगलवार सुबह 6ः15 बजे वापस रवाना होनी थी। इसकाराण रात में लगभग 9ः42 बजे प्लेटफॉर्म से खांड गांव स्थित शंटिंग लाइन पर ले जाया जा रहा था। तभी, इंजन तेज गति से या अनियंत्रित होकर डेड एंड पर लगे बफर से टकरा गया। इस जोरदार टक्कर के कारण पूरी ट्रेन झटके के साथ रुक गई और डिब्बों पर पड़े भीषण दबाव से एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुल मिलाकर तीन डिब्बे प्रभावित हुए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया और लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, इंजीनियरिंग टीम और पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ट्रैक को दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने का काम शुरू किया, जो देर रात तक जारी रहा। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा होने के कारण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। प्रारंभिक तौर पर इस दुर्घटना का कारण तकनीकी गड़बड़ी, अत्यधिक बल का प्रयोग या फिर शंटिंग प्रक्रिया में लापरवाही को माना जा रहा है। रेलवे की उच्चस्तरीय तकनीकी टीम पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मंदिरों के पास रखे सोने के मॉनेटाइजेशन की कोई योजना नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने उन रिपोर्टों और सोशल मीडिया दावों को पूरी तरह गलत, भ्रामक और आधारहीन बताया है, जिसमें दावा हुआ था कि केंद्र सरकार मंदिरों, ट्रस्टों और धार्मिक संस्थानों के लिए गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम शुरू करने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय ने साफ कहा हैं कि केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव न मंजूर किया गया है और न ही इस तरह की कोई योजना विचाराधीन है। कुछ रिपोर्टों में बताया गया था कि मंदिरों के स्वर्ण भंडार के बदले गोल्ड बॉन्ड जारी किए जाएंगे या इन भंडारों को 'स्ट्रैटेजिक गोल्ड रिजर्व ऑफ इंडिया' का हिस्सा बनाया जाएगा, लेकिन केंद्र सरकार ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज किया है। मोदी सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि वाली खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा करें। साथ ही कहा गया है कि नीतिगत फैसलों से जुड़ी सही जानकारी केवल आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी स्रोतों से ही प्राप्त करें। इस बीच, प्रधानमंत्री से जुड़े एक कथित बयान को लेकर भी चर्चा रही, जिसमें नागरिकों से ऊर्जा और संसाधन बचत जैसे सुझावों की बात कही गई थी। हालांकि, इसतरह के किसी भी सार्वजनिक संदेश या संदर्भ को लेकर आधिकारिक पुष्टि ही अंतिम मानी जाती है।

कनाडा से लौटे आशिक ने की मशहूर पंजाबी सिंगर की हत्या, नीलो नहर से मिला शव

-पुलिस की लापरवाही से आरोपी सुखविंदर कनाडा फरार

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे संगीत जगत को झकझोर दिया है। मशहूर पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर, जो छह दिन पहले गन प्वाइंट पर अगवा की गई थीं, कि निर्ममता से हत्या कर दी गई है। उनका शव नीलो नहर से बरामद हुआ है, जिसकी शिनाख्त के बाद परिवार में मातम छा गया है। सिंगर के शव को सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। इस खौफनाक मर्डर मिस्ट्री की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, जिसमें प्यार, ज़िद और खूनी अंजाम शामिल है। मृतका के भाई जोतइंदर सिंह ने बताया कि इंदर कौर की दोस्ती मोगा के गांव भलूर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा से थी। जोतइंदर सिंह का आरोप है कि सुखविंदर उनकी बहन से जबरन शादी करना चाहता था, लेकिन इंदर कौर ने इस शादी से साफ इंकार किया था। बस इसी शादी से इंकार की रंजिश को दिल में पाले सुखविंदर सिंह ने एक खौफनाक साजिश रच डाली। आरोपी सुखविंदर, अपनी इस ज़िद को पूरा करने और इंदर कौर को रास्ते से हटाने के लिए खास तौर पर कनाडा से पंजाब आया था। 13 मई की रात इंदर कौर बाजार से राशन लेने निकली थीं, तभी सुखविंदर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें घेरा और पिस्तौल की नोक पर अगवा किया। इसके बाद आरोपियों ने बेरहमी से इंदर कौर की जान ले ली और शव को छुपाने के लिए नीलो नहर में फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी सुखविंदर सिंह पुलिस को चकमा देकर वापस कनाडा फरार हो गया है।

मई के अंतिम सप्ताह में मानसून दे सकता है आमद, कई राज्यों में होगी बारिश

–उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का करेंगे सामना

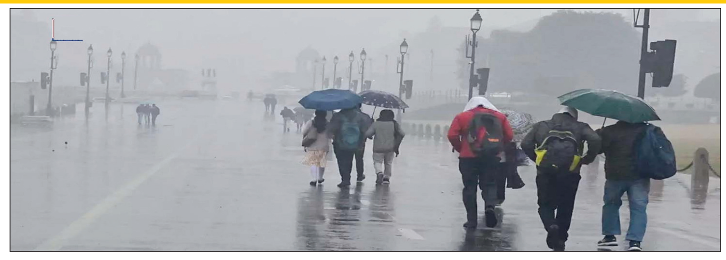

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मॉनसून की एंट्री में बस कुछ ही दिन हैं। खबर मिल रही है कि मई के अंतिम सप्ताह में मानसून की केरल में आमद हो सकती हैं। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का सामना करेंगे। हालांकि, उत्तराखंड समेत कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। इसके अलावा भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को कम से कम 10 राज्यों में बारिश की संभावनाएं जताई है।

आईएमडी ने कहा है कि 19 मई से 22 मई के बीच जम्मू-कश्मीर, 20 से 22 मई के बीच उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं इस दौरान हवा की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा पहुंच सकती है। साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19 से 24 मई, गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 मई, ओडिशा में 19 मई और 22 मई से 24 मई को बारिश हो सकती है।

बिहार में 19 से 21 मई के बीच, झारखंड में 20 मई, ओडिशा में 20 और 21 मई को तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में 19 मई को भारी बारिश की संभावना है। 19 से 22 मई के बीच असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश के आसार हैं। अरुणाचल प्रदेश में 22 मई को भारी बारिश हो सकती है। जबकि, असम और मेघालय में ऐसा ही मौसम 21 और 22 को बन सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा था कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 26 मई को केरल पहुंचने की संभावना है। विभाग ने यह भी कहा कि मॉनसून के आगमन की तारीख में चार दिन का अंतर देखने को मिल सकता है। अगले पांच दिनों में केरल और माहे के कुछ हिस्सों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक ऐसा दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो सकता है, जिससे केरल, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण लक्षद्वीप से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में निम्न वायु दाब का क्षेत्र बन गया है।

आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और कन्याकुमारी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक यह दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश भाग, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भी आगे बढ़ चुका है।

पूर्व जज वर्मा के इस्तीफे के बाद भी नहीं थमी मुश्किलें, समिति ने जांच रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष बिरला को सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा की मुश्किलें इस्तीफे के बाद भी कम होती नजर नहीं आ रही हैं। उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच कर रही तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए यह रिपोर्ट सोमवार को सौंपी गई है। रिपोर्ट को जल्द ही संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। दरअसल, पिछले साल न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने के बाद मामला सुर्खियों में आया था। इस घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव से संबंधित नोटिस दिए थे, जिन्हें स्वीकार कर जांच प्रक्रिया शुरू की गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य शामिल थे। समिति का पुनर्गठन 25 फरवरी को किया गया था। इसी बीच, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने 10 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उनके इस्तीफे के बाद महाभियोग की कार्यवाही तकनीकी रूप से निष्प्रभावी हो गई, लेकिन जांच प्रक्रिया जारी रही। गौरतलब है कि दिल्ली आवास से कथित रूप से जले हुए नोट मिलने की घटना के बाद से न्यायमूर्ति वर्मा लगातार विवादों और आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं। अब जांच रिपोर्ट संसद में पेश होने के बाद इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी बहस तेज होने की संभावना है।

मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए, मैं जल्द लौटूंगी अपने देश

–बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की तारिक रहमान को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए। मैं जल्द अपने देश वापस लौटूंगी। यह कहना है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लगातार अपने देश और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिलहाल वो भारत में अपना समय बिता रहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि 17 मई 1981 उनके जीवन का बेहद भावुक दिन था, जब वह छह साल के निर्वासन के बाद भारत से बांग्लादेश लौटी थीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी उनके खिलाफ साजिशें हुई थीं, मुकदमे दर्ज किए गए थे और जान का खतरा था, लेकिन जनता के प्यार और समर्थन ने उन्हें वापस लौटने की ताकत दी।

उन्होंने कहा कि इस बार उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली पर निर्भर करेगी। हसीना ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 बार हत्या की कोशिशों से मैं बच चुकी हूं। जब तक अल्लाह ने मुझे जिंदा रखा है, मैं बहुत जल्द बांग्लादेश की धरती पर लौटूंगी।

पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जिसे बंद किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है, आम लोगों की पार्टी है और इसे कागज पर लिखे प्रतिबंध से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता अवामी लीग से डरता है, क्योंकि अगर पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने दिया गया तो सरकार की 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां' उजागर हो जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को तोड़ने की साजिशें सफल नहीं होंगी और सुधार का फैसला पार्टी के आंतरिक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत ही होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने इंटरव्यू में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश फिर से 2001 से 2006 के उस दौर की ओर बढ़ सकता है, जब कट्टरपंथ और उग्रवादी ताकतें मजबूत हुई थीं। हसीना ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 'खामोश राजनीतिक नरसंहार' चलाया गया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी नेताओं के घरों और कारोबारों को निशाना बनाया गया और समर्थकों में डर का माहौल पैदा किया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बोले- एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

आने वाला है आर्थिक तूफान, आम जनता होगी तबाह

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में उन्होंने कहा कि आर्थिक तूफान अब आने वाला है। पीएम मोदी ने अदाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह खड़ा नहीं हो पाएगा, बल्कि पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि इसका नुकसान आम जनता को होगा। राहुल गांधी ने कहा कि यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या पीएम मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने की बजाए प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।

राहुल ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। जहां भी आप जाएंगे, मुझे बुला लीजिए, मैं आपके साथ रहूंगा। मैं जनता के साथ खड़ा हूं, जनता के साथ दिखाई देता हूं और जनता से प्यार करता हूं। आप देख लीजिए, देश के तमाम बड़े नेता मोदी जी, अमित शाह जी, गडकरी सभी अंबानी जी की के घर शादी में गए थे। राहुल गांधी वहां कभी नहीं जाएंगे। मैं यह संदेश दे रहा था कि मैं भी आप लोगों के बीच आना चाहता हूं, आपके घरों में आना चाहता हूं। आपने मेरा समर्थन किया, आपने बारात घर की मांग की थी, हमने आपको बारात घर भी दे दिया। अगली बार जब यहां शादी होगी तो मुझे जरूर बुलाइए, मैं जरूर आऊंगा। हमारा रिश्ता प्यार का है, दिल का रिश्ता है, परिवार जैसा रिश्ता है। जनता मेरे लिए माता-पिता, दादी, बहन और भाई जैसी है।

...और खुद विदेश चले गए

राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने आपसे जो वादा किया था, वह पूरा किया। देश की बात करते हुए राहुल ने कहा कि जनता का पैसा, मजदूरों का पैसा, किसानों का पैसा, पीएम नरेंद्र मोदी ने अंबानी और अदाणी को दे दिया। उन्होंने छोटे व्यापारियों से पैसा खींचकर अपने मित्रों को दे दिया।

अखिलेश का ऐलान, यूपी में कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य के चुनावों में सहयोगी दलों के साथ गठबंधन जारी रहेगा और पार्टी का मूल मंत्र 'सीटें नहीं, जीत' होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन धर्म निभाने में अनुभवी है और सहयोगियों के हित का ध्यान रखती है। सपा मुखिया ने कहा कि हमारी पार्टी ने कई गठबंधन किए हैं। हमारे पास गठबंधन का अनुभव है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हम लोगों ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया है। आज जो गठबंधन है, वहां आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन की चर्चा सीटों के लिए सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेगी। अखिलेश ने कहा, गठबंधन में सीटों का सवाल नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं है, मुद्दा जीत का है। यही फॉर्मूला फिर काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं होगा, सवाल जीत का होगा।

सीएम की पत्नी पर टिप्पणी: खेड़ा के बाद अब सुरजेवाला पर शिकंजा

-असम की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस नेता को समन भेज पूछताछ के लिए बुलाया

डिसपुर (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी पर की गई कथित टिप्पणी से जुड़ा राजनीतिक विवाद थम नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद अब असम पुलिस ने कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर शिकंजा कसा है। मामले की जांच कर रही असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को समन जारी किया है।

सूत्रों के मुताबिक क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को 23 मई को गुवाहाटी में जांच अधिकारियों के सामने हाजिर होने का निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि इस माह पवन खेड़ा से हुई कई घंटों की पूछताछ में जो बातें सामने आईं, उसके आधार पर सुरजेवाला को यह समन भेजा गया है। इस घटनाक्रम से असम में सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तनातनी और तेज हो गई है।

बता दें यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ था जब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी को लेकर कथित तौर पर कुछ विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। इन बयानों के बाद असम में एक शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर पवन खेड़ा को पूछताछ के लिए गुवाहाटी बुलाया था। इस माह खेड़ा क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए थे, जहां उनसे करीब 8 घंटे तक पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद हालांकि पवन खेड़ा ने जांच को लेकर कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह जरूर साफ किया कि कांग्रेस असम की बीजेपी सरकार के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी।

इस मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर ली हैं। जांच अधिकारी अब इस विवाद से जुड़े अन्य कथित बयानों और सोशल मीडिया नैरेटिव की भी गहराई से पड़ताल कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने पहले ही इस बात के संकेत दिए थे कि मामले की तह तक जाने के लिए कांग्रेस के अन्य नेताओं से भी पूछताछ की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक रणदीप सुरजेवाला को औपचारिक तौर पर समन मिलने के बाद पूछताछ के अगले दौर से पहले ही असम का सियासी पारा चढ़ने की उम्मीद है। कांग्रेस लगातार इस पूरी पुलिस जांच को राजनीति से प्रेरित बता रही है। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी पुलिस की इस कार्रवाई का बचाव कर रही है। बीजेपी का साफ कहना है कि यह मामला सार्वजनिक विमर्श में गरिमा और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है।

आप नेता सिंगला की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

–ईडी की कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना

–बीजेपी ने कहा– जांच निष्पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को दिल्ली और गोवा में छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए, जिसके आधार पर गिरफ्तारी की गई। वहीं इस गिरफ्तारी को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

गौरतलब है कि दीपक सिंगला 2024 विधानसभा चुनाव में दिल्ली की विश्वास नगर सीट से आप उम्मीदवार रह चुके हैं। ईडी का कहना है कि यह मामला बैंक लोन फ्रॉड और उससे जुड़े धन शोधन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। एजेंसी इससे पहले भी 2024 में उनके ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। फिलहाल सिंगला से पूछताछ जारी है और उनके वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आप ने इसे पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दीपक सिंगला को किसी गलत काम के कारण नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सिंगला को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का विरोध किया और पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिंगला को 'बहादुर' बताते हुए कहा कि वह देश के लिए लड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, बीजेपी नेताओं का कहना है कि जांच एजेंसियां केवल सबूतों के आधार पर कार्रवाई कर रही हैं और इस मामले को राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। उनका कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है और दोषी पाए जाने पर ही कार्रवाई की जाती है।

दुनिया के सबसे प्रदूषित और समृद्ध शहरों में भारत के 138 शहर शामिल

–नेचर सिटीज अध्ययन में खुलासा—आर्थिक विकास के साथ बढ़ रहा प्रदूषण

–स्वच्छ शहरीकरण में चीन समेत कई देश आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के तेजी से विकसित हो रहे शहरों में प्रदूषण और आर्थिक समृद्धि के बीच गहरा संबंध सामने आया है। भारत के अनेक बड़े शहर आर्थिक विकास के साथ-साथ प्रदूषण की गंभीर चुनौती का भी सामना कर रहे हैं। अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के 390 ऐसे शहरों में, जिन्हें ÷सबसे अधिक प्रदूषित और समृद्ध÷ श्रेणी में रखा गया, उनमें 138 शहर भारत के हैं। यह कुल संख्या का लगभग 35.4 प्रतिशत है।

शोधकर्ताओं ने 2019 से 2024 के बीच दुनिया के 5,435 शहरों का अध्ययन किया। इसके लिए उपग्रह आधारित नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, डेटा और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमानों का उपयोग किया गया। अध्ययन के मुताबिक, भारत में शहरी विकास अब भी बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन आधारित परिवहन, उद्योग और बिजली उत्पादन पर निर्भर है, जिसके कारण आर्थिक प्रगति के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में स्वच्छ विकास की दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत जरूर दिखाई दिए हैं, लेकिन अधिकांश भारतीय शहर अब भी प्रदूषण कम करने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। इसके विपरीत चीन और कई अन्य देशों ने स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ शहरीकरण के जरिए प्रदूषण नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति की है।

आर्थिक दृष्टि से भारत के प्रमुख शहरों में मुंबई सबसे आगे है। 'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' के अनुसार, मुंबई में 91 अरबपति रहते हैं, जिससे यह देश का सबसे अमीर शहर बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर करीब 26.33 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं कोलकाता पूर्वी भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र माना जाता है।

आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में पहचान बना चुका बेंगलुरु लगभग 9.86 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ देश की तकनीकी राजधानी बना हुआ है। वहीं चेन्नई, जिसे 'ऑटो कैपिटल ऑफ इंडिया' कहा जाता है, करीब 7.05 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ ऑटोमोबाइल, आईटी और हेल्थकेयर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को आर्थिक विकास के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और हरित तकनीकों को तेजी से अपनाने की जरूरत है, ताकि आने वाले वर्षों में शहरी प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

'आप' सरकार ने पंजाब के किसानों के लिए गांवों को तारों और खंभों से मुक्त करने का वादा निभाया: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

क्योंकि जमीनदोज पाइप डालने के लिए ट्रेंचलेस (बिना खुदाई) ड्रिलिंग मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। ये पाइप जमीन से तीन फुट नीचे बिछाए जाएंगे, जो आम लोगों के लिए वरदान साबित होंगे। बिजली की ऊपरी तारों के खतरों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, बिजली के खंभों और ऊपरी तारों से पशुओं और लोगों खासकर बच्चों को करंट लगने का खतरा बना रहता है। ट्रैक्टर, कंबाइन और अन्य वाहनों के ऊपरी तारों से संपर्क में आने पर अक्सर हादसे होते हैं। इसी तरह फसलों में आग लगने की घटनाओं से किसानों को भारी नुकसान होता है। बारिश, तूफान और तेज हवाओं से खंभे और तारें टूट जाती हैं, जिससे बिजली सप्लाई प्रभावित होती है और पावर कॉर्पोरेशन को वित्तीय नुकसान होता है। इस प्रोजेक्ट को लोगों के लिए हर पहलू से फायदेमंद बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई टेंशन और लो टेंशन लाइनों के जमीनदोज होने से बिजली की लीकेज खत्म हो जाएगी, जिससे ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन का घाटा कम होगा। गांवों को निर्विघ्न बिजली सप्लाई मिलेगी, जमीनदोज तारों से हादसों में कमी आएगी, बिजली की तारों से फसलों में आग लगने की घटनाएं रुकेंगी और बारिश व तेज हवाएं अब बिजली सप्लाई में बाधा नहीं डाल सकेंगी। अनावश्यक खंभों और उलझी तारों को हटाने से गांवों की सुंदरता और बेहतर हो जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को पंजाब के इतिहास में मील का पत्थर माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरी जन्मभूमि से शुरू किया जा रहा है और आज का दिन पंजाब के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। इस गांव से पंजाब सरकार ने ऐसा प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसके बारे में देश के किसी अन्य राज्य ने अभी तक सोचा भी नहीं है। यह प्रोजेक्ट इसलिए संभव हो पाया क्योंकि आज मेरा सपना साकार हो रहा है। इस प्रोजेक्ट का सपना बहुत साल पहले देखा गया था। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, आज की यह पहल सीधे तौर पर आम लोगों की जिंदगी से जुड़ी हुई है। आने वाले दिनों में ये बिजली के खंभे इतिहास बन जाएंगे। अपने गांव की दुखद घटना को याद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भावुक हो गए। उन्होंने कहा, इस गांव के तीन नौजवानों की कंबाइन मशीन के साथ बिजली का करंट लगने से जान चली गई थी। वे अपने परिवारों के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। यह प्रोजेक्ट उन नौजवानों को श्रद्धांजलि है क्योंकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। इस पहल को देश के लिए बदलाव का मॉडल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, गांवों और शहरों के लोगों को बड़ी राहत देने के लिए पूरे देश में 'सतौज मॉडल' जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया मंगल ग्रह पर कॉलोनियां बसाने की बातें कर रही है, जबकि हमारे लोग अभी भी गलियों-नालियों के मुद्दों में उलझे हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में डिजिटल क्रांति की शुरुआत की है। आर.टी.ओ. सेवाओं को डिजिटलाइज किया गया है और सरल भाषा में 'ईजी रजिस्ट्री' (ईजी रजिस्ट्री) प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, पहले रजिस्ट्री के दस्तावेज जटिल भाषा में तैयार किए जाते थे, जो आम लोगों की समझ में नहीं आते थे, जिस कारण उन्हें दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब लोग अपने जिले की किसी भी तहसील से अपनी रजिस्ट्री करवा सकते हैं। पंजाब सरकार के बेअदबी विरोधी कानून का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाया है, जिसमें उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है, ताकि भविष्य में कोई भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने की हिम्मत न कर सके। अकाल पुरख ने मुझे 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026' के माध्यम से मानवता की सेवा करने का मौका बख्शा है, जिसमें बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पिछली सरकारों के पास बेअदबी को रोकने के लिए कानून बनाने की न तो नियत थी और न ही इच्छाशक्ति, जिस कारण उनके शासनकाल में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी आम बात बन गई थी। लेकिन पंजाब सरकार द्वारा पास किया गया यह एक्ट इसे पूरी तरह खत्म कर देगा क्योंकि कोई भी इस न अक्षम्य अपराध को करने की हिम्मत नहीं करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, पंजाब सरकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता और सम्मान के लिए, तथा बेअदबी की घटनाओं में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। सरकार सिख मूल्यों और लोगों की भावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। इस धरती ने वह दौर देखा है जिसने समूची सिख संगत के दिलों को अंदर तक झकझोर दिया था। पंजाब सरकार ने अब यह कानून बनाया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। केवल कुछ चुनिंदा लोग, जो खुद को ही पंथ समझते हैं, इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनके हाथ बेअदबी की घटनाओं से रंगे हुए हैं। पंजाब सरकार की स्वास्थ्य सुविधा पहलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की गई है, जिसके तहत पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। हर परिवार 10 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का हकदार है। 30 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को स्वास्थ्य कार्ड मिल चुके हैं, जबकि 1.65 लाख लोग इस योजना के तहत मुफ्त इलाज करवा चुके हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे इन कार्डों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पंजाब सरकार ने 'मावां धीयां सत्कार योजना' शुरू की है, जिसके तहत हर महिला को 1,000 रुपए प्रति माह और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह सम्मान राशि दी जाएगी। सम्मान राशि सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं भी इसके योग्य होंगी। पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए पंजाब सरकार ने बजट में 9,300 करोड़ रुपए रखे हैं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा और तरुणप्रीत सिंह सौंध सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। एक्स पर कुछ अंश साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सपनों के 'रोशन पंजाब' बनाने की ओर एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए आज गांव सतौज में बिजली की तारों को जमीनदोज करने के अत्याधुनिक प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है। यह पहल न केवल गांवों और शहरों की सुंदरता को निखारेगी, बल्कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को बिजली कटौती तथा तूफान और तेज हवाओं के दौरान होने वाले हादसों से भी पूरी सुरक्षा प्रदान करेगी। इस प्रोजेक्ट के साथ घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और खेतों को निर्विघ्न और सुरक्षित बिजली सप्लाई मिलेगी, जिससे हर नागरिक के जीवन स्तर में सुधार होगा। यह पहल पंजाब को सही मायनों में 'रंगला पंजाब' बनाने की दूरदर्शी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां हर स्तर पर पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता वाले काम को सुनिश्चित किया जा रहा है। 'आप' सरकार आपकी सेवा में और पंजाब की तरक्की के लिए पूरी लगन के साथ दिन-रात काम कर रही है।

सामान्य रिपोर्ट फिर भी झड़ रहे बाल, सिर की त्वचा में जुड़े हार्मोन से है रिश्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। कई महिलाओं में खून की सामान्य जांच रिपोर्ट आने के बावजूद लगातार बाल झड़ने की समस्या बनी रहती है। अब एक नए अध्ययन में इसकी अहम वजह सामने आई है। बाल झड़ने का संबंध केवल खून में हार्मोन की मात्रा से नहीं, बल्कि बालों की जड़ों और सिर की त्वचा में हार्मोन की गतिविधि से भी जुड़ा हो सकता है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन में उन महिलाओं की जांच की गई जो लंबे समय से बाल झड़ने और बाल पतले होने की समस्या से परेशान थीं। शोध के दौरान 44 ऐसी महिलाओं की तुलना 30 सामान्य महिलाओं से की गई, जिन्हें बाल झड़ने की समस्या नहीं थी। अध्ययन में पाया गया कि प्रभावित महिलाओं में तीन अल्फा डायोल जी नामक हार्मोन संकेतक का स्तर काफी अधिक था। यह संकेतक बालों की जड़ों में हार्मोन की गतिविधि को दर्शाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यही कारण है कि कई बार सामान्य हार्मोन जांच जैसे टेस्टोस्टेरोन, थायरॉइड और विटामिन जांच सामान्य आने के बावजूद बाल झड़ने की समस्या बनी रहती है। शोध में यह भी सामने आया कि जिन महिलाओं में इस संकेतक का स्तर अधिक था, उनके बाल अधिक तेजी से पतले हो रहे थे। साथ ही, अब तक अधिकतर जांच खून में मौजूद हार्मोन की मात्रा पर आधारित रही हैं, जबकि असली असर सिर की त्वचा और बालों की जड़ों में हो रहा होता है। अस्पताल के त्वचा रोग विभाग के प्रो. डॉ. कबीर सरदाना ने बताया कि महिलाओं में बाल झड़ने की समस्या कई बार धीरे-धीरे बढ़ती है और सामान्य जांच से इसकी सही वजह पकड़ में नहीं आती। उन्होंने कहा कि कुछ दवाएं हार्मोन के असर को कम करने में मदद करती हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल विशेषज्ञ की सलाह से ही किया जाना चाहिए, खासकर उन महिलाओं में जो भविष्य में गर्भधारण की योजना बना रही हैं। उनके अनुसार, यह अध्ययन बाल झड़ने की समस्या को समझने और उसके बेहतर इलाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, इसे सामान्य उपचार प्रक्रिया का हिस्सा बनाने से पहले बड़े स्तर पर और शोध की जरूरत बताई गई है।

बंद पड़े हुंडई शोरूम में चोरी, लाखों का सामान ले गए चोर

होडल। शहर के गौढोता चौक स्थित हुंडई कार शोरूम से अज्ञात चोर लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की यह वारदात तब सामने आई जब शोरूम मालिक मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, श्याम नगर निवासी प्रवेश पाराशर ने शिकायत में बताया कि गौढोता फ्लाईओवर के पास उनका हुंडई शोरूम था, जिसे उन्होंने करीब एक माह पहले बंद कर दिया था। रविवार को जब वह शोरूम पर पहुंचे तो वर्कशॉप का जंगला टूटा हुआ मिला। अंदर जाने पर पाया गया कि शोरूम से 42 इंच की सैमसंग एलईडी, 32 सीसीटीवी कैमरे, दो डीवीआर मशीनें और कार से जुड़े कई कीमती उपकरण व मशीनें गायब थीं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने पहले रेकी की और उसके बाद वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के क्षेत्रों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों का सुराग मिल सके।

क्राइम ब्रांच होडल ने अवैध कट्टे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

होडल। क्राइम ब्रांच होडल की टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नांगल जाट गांव के एक युवक को एक अवैध कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। क्राइम ब्रांच होडल प्रभारी निरीक्षक जगमिंदर सिंह ने बताया कि रविवार की रात टीम गश्त के दौरान बहीन क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नांगल जाट निवासी एक युवक बस स्टैंड के पास अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपी विष्णु को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध कट्टा बरामद हुआ।

उटावड़ के जूना मोहल्ले में आग से हड़कंप

हथीन। उटावड़ के जूना मोहल्ले में सोमवार दोपहर करीब एक बजे अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग खाली प्लॉट में रखे बिटौड़ों और लकड़ियों में अज्ञात कारणों से लगी, जो तेजी से फैलती चली गई। आग ने कुछ ही देर में कई उपलों के बिटौड़ों को अपनी चपेट में ले लिया और आसपास के घरों तक पहुंच गई। इससे कई लोगों के मकानों की दीवारों में दरारें आ गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर दमकल विभाग का गाड़ियां मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग इतनी भयानक थी कि समय रहते काबू न पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

शादी के अगले ही दिन दूल्हे ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, पत्नि समेत 5 पर केस दर्ज

होडल। रेलवे स्टेशन के पास एक युवक ने शादी के अगले ही दिन ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने के मामला सामने आया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मृतक के भाई की शिकायत पर नवविवाहिता पत्नी समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गांव वली मोहम्मदपुर उर्फ लहरपुर निवासी ओमप्रकाश की शादी 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के शेरगढ़ निवासी भूमिका के साथ हुई थी। 30 अप्रैल को विदाई के बाद दुल्हन घर आई। आरोप है कि सुहागरात को ही दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके अगले ही दिन 1 मई की सुबह से ओमप्रकाश के मोबाइल पर चार अलग-अलग नंबरों से लगातार धमकी भरे फोन आने शुरू हो गए। फोन करने वाले युवक अजय निषाद, संजीव, नारायण सिंह और वेदराम दुल्हन भूमिका के जान-पहचान वाले बताए जा रहे हैं। मृतक के भाई जयभगवान ने आरोप लगाया कि इन कॉल्स के जरिए ओमप्रकाश को बुरी तरह प्रताड़ित और ब्लैकमेल किया जा रहा था।

PUBLIC NOTICE

Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi are Previous Owner and current owner is Mr. Naresh Kumar Sinha and Miss Swati Sinha of the Residential Flat/Dwelling unit no. 367/GC-10 on 3rd Floor in Tower-I, , "GC-10/SANSKRITI VIHAR", situated at Plot No. GH-03, Sector-16C, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi have lost Original page no 13 and 14 of Sub Lease Deed duly registered as Sl. No. 10111 in Book No.1 Vol. No. 20260 at pages 221 to 262 on 23/04/2016 in the office of SR-Greater Noida, executed by GNIDA and M/s Gaursons Promoters Pvt. Ltd in favour of Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, KHAJA MOHINUDDIN Father of JC-461554H, Rank-SUB Name-MD MERAJUDDIN, R/o H NO-1-113/44, VILL-THIMMAPUR, PO-MANCHERIAL, DIST-MANCHERIAL, TELANGANA-504209, have changed my name from KHAJA MOHINUDDIN to MOHAMMAD KHAJAMOINUDDIN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 24/12/1956, instead of my correct date of birth as 01/01/1946, Vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I DEEPAK GOEL S/O VED PRAKASH R/O F-129 SECTOR-56, NOIDA UTTAR PRADESH-201301 HAVE CHANGE MY NAME TO DEEPAK GOYAL FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I QAZI NAUSHAD S/O SHAMSHAD ALI R/O B-996 STREET NO-20 SUBHASH MOHALLA, NORTH GHONDA DELHI-110053 HAVE CHANGE MY NAME TO NAUSHAD ALI FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, VAISHALI RAWAT W/O RAMESH KUMAR R/O H.NO-91, GALI NO 14-B MOLARBAND EXTN BADARPUR DELHI 110044, CHANGED MY NAME TO VAISHALI.

NAME CHANGE

I, SURESH KUMAR S/O JAGDISH MITTAL R/O SB-13 AMAR COLONY NANGLOI DELHI 110041, CHANGED MY NAME TO SURESH MITTAL.

NAME CHANGE

I, BALAM SINGH RAWAT S/O DHYAN SINGH RAWAT R/O 1 A, AMRITA SHER GIL MARG NEW DELHI LODHI ROAD 110003, CHANGED MY NAME TO BALAM.

NAME CHANGE

I, AFREEN AYYUB ANSARI D/O MOHD AYYUB R/O C-3, GALI NO 6 NEW BRIJPURI KHUREJI KRISHNA NAGAR DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO AAFREEN.

NAME CHANGE

I hitherto known as Chaman Khan S/o Jamil Khan R/o Plot No-4, Sector-5, Seema Apartment Top Floor, Rajender Nagar, Near Dominos, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Ayaan Khan.

NAME CHANGE

I, Azeem S/o Mohd Nadeem R/o 7668, Gali Munshi Abdul Rahim, Badi Masjid, Kasab Pura, Delhi-110006 have changed my name to Azeem Qureshi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Reena W/O Rajikant R/O- R.C-340, Rajeev Nagar, Khora Colony, Khora, PO : Khora Gaon , Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201309, have changed the name of my minor daughter Prancy aged 11 years and she shall hereafter be known Priyanshi

NAME CHANGE

It is for general information that I, Satender Kumar S/o Tilak Ram R/o H.No. 1124, Master Colony, Harvansh Nagar, Meerut Road Sihani Chungi, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 declare that name of mine has been wrongly written as Satander Kumar in my Service Book. The actual name of mine is Satender Kumar.

NAME CHANGE

I MONICA MALHOTRA D/O DUSHYANT SHARMA R/O HOUSE NO B-1/14, SEWAK PARK DWARKA MOR METRO STATION UTTAM NAGAR WEST DELHI-110059 HAVE CHANGED MY NAME TO MONICA SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I TUKARAM legally father of Army no -2803686L, Rank - Hav, Name - Sateri Kumbhar, Presently residing At - Garlgunji, Post- Garlgunji, Teh - Khanapur, Dist - Belgaum, State- Karnataka, Pin - 591302 have changed my name from TUKARAM to TUKARAM KUMBAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/11/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SUNDARI legally mother of Army no - JC - 462019P Rank - Sub, Name - H Christopher Presently Residing At - Painamvilai, Post- Kanjampuram, Teh - Vilavancode, Dist - Kanniyakumari, State- TamilNadu, Pin - 629154, have changed my name from SUNDARI to SUNDARI HARICHANDRAN for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/11/1958 instead of my correct date of birth as 24/02/1956 vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I P.HARICHANDRAN legally father of Army no - JC - 462019P, Rank - Sub, Name - H Christopher Presently Residing At - Painamvilai, Post- Kanjampuram, Teh - Vilavancode, Dist - Kanniyakumari, State- TamilNadu, Pin - 629154, have changed my name from P.HARICHANDRAN to ARICHANDRAN PONNUMANI for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/11/1953 instead of my correct date of birth as 01/07/1953 vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SUSHMA legally wife of Army No - JC 462627w Rank - Sub, Name - SANDEEP PATIL, Presently Residing, At - PUR, Post- linganmath, Teh - khanapur Dist - Belagavi, State- karanataka, Pin - 591006 have changed my name from SUSHMA to SUSHMA SANDEEP PATIL for all future purposes, Vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SHOBHA legally mother of Army no - 2815257w, Rank - Ink, Name - DOKE ANKIT Ramchandra, Presently Residing, At - Kumshet, Post- Shiroli BK, Teh - Junnar, Dist - Pune, State- Maharashtra Pin - 410511have changed my name from SHOBHA to SHOBHA RAMCHANDRA DOKE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I GANGAVAI legally mother of Army no -2803686L, Rank - Hav, Name - Sateri Kumbhar, At - Garlgunji Post- Garlgunji, Teh - Khanapur, Dist - Belgaum, State- Karnataka, Pin - 591302 have changed my name from GANGABAI to GANGUBAI TUKARAM KUMBHAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/11/1964 instead of my correct date of birth as 27/11/1958 vide affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PANKAJ GOYAL / PANKAJ GOEL S/O RAJENDER KUMAR GOEL resident of D-76/1, GALI NO-3, NEW GOVIND PURA, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to PANKAJ KUMAR GOEL for all future purpose.

NAME CHANGE

I, YASHODA wife of No. 14659365A, Rank-HAV, Name-BACHCHOO SINGH presently residing at- VPO-AKOLA, TEHSIL-AKOLA, PS-KAGAROL, DIST-AGRA, U.P-283102, have changed my name from YASHODA to YASHODA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PALLAVI D/O JAYSINGH R/O H NO-L-881, MANGOLPURI, NEW DELHI-110083 have changed my name and shall hereafter be known as PALLAVI MADDHESHIYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Shivani D/O Shiv Kumar R/O Alra Gaura, Masgawan, PO: Masgaon, DIST: Hamirpur, Uttar Pradesh - 210506, have changed my name and shall hereafter be known as Mohini

NAME CHANGE

I DARAKHSHAAN PARWEEN W/O MD SARWAR FIROZ R/O B-84 1st FLOOR FRONT SIDE SHAHEEN BAGH ABUL FAZAL ENCLAVE- 2 DELHI-110025 have changed my name to DARAKHSHAAN PARVEEN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DHARMESH KUMAR SHUKLA S/O GOPAL JI SHUKLA R/O 1/3555 S/F GALI NO -6 RAM NAGAR EXTENSION SHAHDARA DELHI -110032 have changed my name DHARMESH SHUKLA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, PRIYANKA W/O KAMAL SHARMA R/O H.NO-2414/B, BLOCK-B, 25 FEET ROAD, SGM NAGAR, NIT FARIDABAD, HARYANA-121001, HAVE CHANGED MY NAME PRIYANKA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, KAPIL KAKKAR S/O TILAK RAJ KAKKAR R/O C003,G/F, SPAZE PRIVY, NEAR OMAXE CITY CENTER, SECTOR-72, SOHNA ROAD, GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO KAPIL DEV KAKKAR FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I,Sanjay Kumar S/o Birendra Parsad Yadav R/o H.No.303, Gali No.1, Third Floor, Flat No.16, Krishnapuri, Mandawali, Delhi-110092 have changed my name to Sanjay Kumar Yadav

NAME CHANGE

I hitherto known as Zeenat Alias Jeenat D/o. Babu Khan W/o. Irshad Ali, R/o. KB MKT H. No. 30, Near Welcome Police Chowki, Welcome Seelampur 3, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Zeenat Begum.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Satyam Tiwari S/0 Ashok Kumar Tiwari permanent R/O 82, Bajrang Nagar Road, Gulab Bagh, Nayapura Kota City, Kata, Rajasthan - 324006 presently residing at -1B/R-2, H.No.720, Shakti Khand -3, Indirapuram Ghaziabad Uttar Pradesh -201014, declare that name of my father has been wrongly written as Ashok Tiwari in my 10th, 12th class educational documents. The actual name of my father is Ashok Kumar Tiwari

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Shorya S/O Adesh Kumar R/O A-44, East Defence Colony, Bhopura, Sahibabad, PO: Sahibabad, Dist: Ghaziabad,Uttar Pradesh -201005, declare that name of my Mother has been wrongly written as Seema Devi in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my Mother is Sima Devi

NAME CHANGE

I, BIMLA DEVI W/o Sh. Shiv Charan R/o House No.265, Chirag Delhi, New Delhi-110017, have changed my name from BIMLA DEVI to VIMLA permanently.

NAME CHANGE

I AYUSH CHAUDHARY S/O YASHVIR SINGH R/O FLAT NO - A6 BUILDING C219B STREET NO 15 , CHHATARPUR ENCLAVE PHASE 2 DELHI 110074 HAVE CHANGED MY NAME TO AYUSH CHOUDHARY

NAME CHANGE

I, MARIAMMA W/O JOBY MATHEW R/O 53-F, POCKET A-3 L.I.G, MAYUR VIHAR PHASE-3, East Delhi-110096. HAVE CHANGED MY NAME TO MARIAMMA JOBY.

NAME CHANGE

I, SATISH KUMAR BHALLA S/O RAM BHEJA, R/O 3509, ARJUN GALI, DARIBA PAN, PAHARGANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR, DELHI - 110055 I HAVE CHANGED MY NAME FROM SATISH KUMAR TO SATISH KUMAR BHALLA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, DEEPIKA BHALLA W/O SATISH KUMAR BHALLA, R/O 3509, DARIBA PAN, PAHARGANJ, DELHI - 110055 I HAVE CHANGED MY NAME FROM DEEPIKA TO DEEPIKA BHALLA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I GOURAV KUMAR S/O VIJAY SINGH R/O H.NO 5/416 DAKSHINPURI EXT. DR AMBEDKAR NAGAR DELHI-110062 have changed my name to GAURAV Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, GULSHAN CHHABRA S/O PREM CHAND resident of K-56, SRINIWASPURI, DELHI-110065 have changed my name to GULSHAN KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I,Arun Kumar S/O Bhoop Singh Nirwal R/O BPTP AMSTORIA Plot No-C 158,Sec-102 Gurgaon,Nearest Adani Oyster,Dhankot,Gurgaon-122505 Have Changed My Minor Daughter Name From Nidhi aged 13 year to Nidhi Singh For All Future purposes.

NAME CHANGE

I,Indu Nirwal W/O Arun Kumar R/O BPTP AMSTORIA Plot No- C 158,Sec-102 Gurgaon ,Nearest Adani Oyster,Dhankot Gurgaon-122505 Have Changed My Name From Indu Nirwal To Indu Bala All Future purposes.

PUBLIC NOTICE

Under Instruction on behalf of Our Clients Ram Kishan S/oPillu Ram and Mrs.Shakuntla W/o RamKishan R/o 112 Savitri Nagar New Delhi-110017 notice being issued due to mis behavior of their son Mr.SureshKumar and daughter-in-law Saugat and Mr. GulshanKumar and daughter-in-law Urmila have renounced all relations with them.That they bears no rights in Our Client's movable and immovable properties anybody dealing with them shall do so at their own risk.Our Client shall have no binding on acts done by them.

Adv. Meghna Kar
Chamber no 872
Saket Court Complex
New Delhi 110017
Mob: 9810212052
D/904/2014

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Suman Yadav in respect of **Second Floor LSH Flat without roof rights, area measuring 25 Sq. yds., on Built-up Free hold Property bearing Plot No. RZ-3A Out of Khasra No. 15/7/1 with all roof/terrace rights, situated in the area of Village Khyala in the abadi of Ravi Nagar Extn, New Delhi-110018** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Deepak Verma** is purchasing the Plot **of land area 100 SQ Yds. out of Kh.No-39/18, situated at in the area of Vill. Burari abadi known as Gali No 11, B-Block, Amrit Vihar Burari Delhi-110084 from Mrs. Manju vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 25.09.2017** and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

नाम परिवर्तन

मैं,ABDUL HAMID S/O MOHD ISMAIL, पता T-220/E-1, SAVITRI NAGAR, SHEIKH SARAI VILLAGE, DELHI-110017 का रहने वाला हूँ और यह बताता हूँ कि मेरे बेटे ABDUL HAMEED के डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम ABDUL HAMEED है और मेरी wife NASEEM BANO के प्रॉपर्टी रजिस्ट्री पेपर्स में और मेरी बेटी SYED NAMRA के डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम S ABDUL HAMEED है। S ABDUL HAMEED / ABDUL HAMEED और ABDUL HAMID तीनों नाम मेरे हैं और तीनों एक ही व्यक्ति हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुनील कुमार गोयल सुपुत्र श्री ब्रहमानन्द गोयल निवासी सिविल लाइन, बुलन्दशहर से सम्बन्धित सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 57 वर्गमीटर स्थित मौहल्ला कोठियात सिविल लाइन, परगना बरन, तहसील व जिला बुलन्दशहर का मालिक व काबिज है। उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित (1) मूल बैनामा प्रयाग नरायन चीफ इन्जीनियर विक्रेता व चंचल देवी पत्नी शान्ती चन्द्र क्रेता के हक में दिनांक 11-06-1964 को क्रमांक 2076 बुलन्दशहर पर दर्ज है (2) एक लीज डीड दिनांक 09-04-1984 द्वारा चचल अग्रवाल पत्नी शान्ती चन्द्र के हक में है देश दीपक पुत्र शान्ती चन्द के हक में की गयी जो बही संख्या-1 जिल्द संख्या-1853 पेज संख्या 213 से 214 क्रमांक 2644 उपनिबन्धक कार्यालय बुलन्दशहर पर दर्ज है। उक्त मूल बैनामा व लीज डीड फोटो स्टेट कराने जाते समय रास्ते में नगर बुलन्दशहर में खो गये हैं और जो काफी तलाश करने पर भी न मिले हैं, उक्त मूल दस्तावेजों के खोने की सूचना कोतवाली नगर, बुलन्दशहर में दर्ज करा दी गयी है।(2)उक्त विक्रय पत्र व लीज डीड का किसी संस्था अथवा व्यक्ति के द्वारा उपयोग करना अवैध है। यदि उक्त विक्रय पत्र व लीज डीड किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था में बन्धक हो निम्न हस्ताक्षरकर्ता को 15 दिन में सूचित करें तथा आपत्ति प्रस्तुत करें या अगर किसी को उक्त विक्रय पत्र एवं लीज डीड प्राप्त हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। अन्यथा उक्त सम्पत्ति भारमुक्त समझी जायेगी तथा भारतीय स्टेट बैंक में बन्धक कर ली जायेगी। समय उपरान्त कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
mov द्वारा अधिवक्रेता

राजेन्द्र प्रसाद वशिष्ठ
कलेक्ट्रेट, बुलन्दशहर
मोबाईल नं0-9897853191

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Raj Rani W/o Late Mr. Chaman Lal is the owner and in possession of a Freehold Residential Property bearing No. B- 49, area measuring 100 Sq. Yards, out of Khasra No. 42, situated in the area of Village Meerpur Turk, in the Abadi of Gali No. 2, B- Block, Chandu Nagar, Illaqa Shahdara Delhi., by virtue of Relinquishment Deed dated 19.03.2026 as Document No. 2026/12/I/922, in Book No. 1, Volume No. 6674, on Pages 57-70, on 19.03.2026, SR- North East Seelampur IV, Delhi.. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of Late Mrs. Vidhya Wati expired on 12.05.2013 (2) Death Certificate & SMC of Late Mr. Chaman Lal died on 30.05.2018 & (3) Probate Order Regd. Will dated 10.06.1996 are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And Property bearing No. B- 49, area measuring 80 Sq. Yards. sold too be Mrs. Yasmeen and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

My client Rajpal S/o Late Yad Ram and Sandhya W/o Sh. Rajpal both R/o House No.75, Harijan Basti, Aya Nagar, New Delhi-110047 have disowned and debarred their son Vishal and his wife Susma Mohanty from their all movable, immovable properties and have no relation with them in future. My client and other family members shall not responsible for their any Civil and Criminal Act and Deeds.

Prit Pal Singh Advocate
CH.NO.528 & 267
SAKET COURTS NEW DELHI-17

NAME CHANGE

I,UMESH PUNYANI S/o NARENDER PUNYANI R/o 545/23A, DLF Colony, Rohtak, Haryana-124001 have changef my name to UMESH PUNIYANI.

NAME CHANGE

I, Govinda S/O Madan Lal Singla R/O House No-13-14 Upper Ground Floor Sector-6, Block-A1 Rohini, Delhi 110085 I Have Changed My name To Govinda Singla.

NAME CHANGE

I, Nandini Kundalia D/O Gautam Kundalia R/O C-47, 3rd Floor, Kirti Nagar Ramesh Nagar H.O, West Delhi, Delhi 110015 I, Have Changed My Name To Nandhini Kundalia

NAME CHANGE

I, Sukhvinder Kaur W/O Harmeet Singh R/O WZ-86/A, 1st Floor Mukhram Park Extension,Tilak Nagar, West Delhi Delhi 110018 I,Have Changed my Name To Sukhvinder Kaur Kwatra

NAME CHANGE

It is for general information that I SONU S/O JIWAN DASS R/O E-36, Second Floor, Karampura Near Shiv Mandir, PO: Ramesh Nagar, West Delhi, Delhi – 110015 , declare that name of my wife has been wrongly written as HARPREET in my minor son KRISHNA aged 13 years in his school Records and Birth Certificate No. MCDOLIR-0113-005509820 . The actual name of my wife is HARPREET KAUR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MOHD SAMI S/o IMTIYAZ HUSSAIN , Residing at J-463, Gali No.-1, Swaroop Nagar, PO - Samaipur, Dist.- North West Delhi, Delhi 110042 declare that the name of my Father has been Wrongly written as IMTYAZ HUSSAIN in my 10th & 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is IMTIYAZ HUSSAIN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ARUN SHARMA S/o PREM NARAYAN SHARMA R/o A – 312 , Gali No. – 5 - B , Gamri Extension , Garhi Mendu , PO : Bhajan Pura , Dist : North East Delhi , Delhi – 110053 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as ARUN and AADITYA in my minor son namely AADITYA SHARMA aged 13 years in his School Records and Birth Certificate No. MCDOLR10011649. The actual name of mine and my minor son are ARUN SHARMA and AADITYA SHARMA which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भाजपा के युवा नेता एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। बच्चों को बेहतर वातावरण तथा आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना हम सभी की जिम्मेदारी है, तभी वे सही ढंग से आगे बढ़ पाएंगे। भव्य बिश्नोई आदमपुर क्षेत्र के गांव सुंडावास सहित विभिन्न गांवों और ढाणियों का दौरा कर लोगों से मुलाकात करते हुए क्षेत्र के सामाजिक एवं विकास कार्यों में भागीदारी निभाई। इस दौरान उन्होंने गांव सुंडावास के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीन नए कमरों का उद्घाटन किया और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में नए कमरों के निर्माण से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी तथा शिक्षण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने विद्यालय स्टाफ और ग्रामीणों को इस कार्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गति लगातार जारी रहेगी।दौरे के दौरान भव्य बिश्नोई ने आदमपुर हलके के विभिन्न गांवों और ढाणियों में पहुंचकर लोगों के सुख-दुख में शिरकत की तथा कई सामाजिक एवं जलपान कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। भव्य बिश्नोई ने लोगों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

स्वयं सहायता समूहों को डेयर फार्मिंग के लिए मिलेंगी शामलात जमीनें

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में विकास एवं पंचायत विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के तहत, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों को डेयरी फार्मिंग के उद्देश्य से 'शामलात देह' (सामुदायिक) भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।कैबिनेट ने 'हरियाणा ग्राम सांझी भूमि (विनियमन) नियम, 1964' के नियम 6 में संशोधन को संबंधित नियमों और शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है। संशोधित प्रावधानों के बाद, ग्राम पंचायतों को हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों और स्वयं सहायता समूहों की सहकारी समितियों को डेयरी स्थापित करने के लिए 500 वर्ग गज तक की 'शामलात देह' भूमि पट्टे पर देने की अनुमति होगी। यह पट्टा शुरू में पांच साल की अवधि के लिए दिया जाएगा, और डेयरी के संतोषजनक संचालन के आधार पर (जैसा कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रमाणित किया जाएगा), इसे और तीन साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस नीति को स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि वे डेयरी इकाइयों का सफलतापूर्वक संचालन करने के बाद अंततः स्वतंत्र रूप से अपनी भूमि खरीद सकें।

एचपीएससी में ग्रुप बी की भर्तियों के नियम बदले

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (ग्रुप-बी) राज्य सेवा विनियम, 1999 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। यह बदलाव मौजूदा नियमों को नई स्वीकृत पद संख्या और वर्तमान सरकारी नियमों के अनुसार अपडेट करने के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया यह निर्णय हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) में परीक्षाओं तथा अन्य संबंधित कार्यों की संख्या में वृद्धि के कारण आयोग पर बढ़ते कार्यभार को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। संशोधन के तहत एचपीएससी में सुपरिंटेंडेंट के दो नए पद और अकाउंट्स ऑफिसर का एक नया पद जोड़ा जाएगा। इसके बाद सुपरिंटेंडेंट पदों की संख्या 5 से बढ़कर 7 हो जाएगी, जबकि अकाउंट्स ऑफिसर के एक पद को भी शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल ने सेवा नियमों में भी कुछ बदलावों को मंजूरी दी है, ताकि वे वर्तमान सरकारी नीतियों और नियमों के अनुरूप हो सकें। इसके अलावा हिंदी की शैक्षणिक योग्यता से जुड़ा नियम भी बदला गया है। पहले दसवीं कक्षा तक हिंदी विषय में पढ़ाई अनिवार्य थी लेकिन अब दसवीं कक्षा में हिंदी या संस्कृत में से कोई एक विषय होना या उच्च शिक्षा में हिंदी विषय होना पर्याप्त माना जाएगा। इन बदलावों से एचपीएससी का प्रशासनिक कामकाज और मजबूत होगा तथा राज्य में ग्रुप-ए और ग्रुप-बी पदों की भर्ती प्रक्रिया अधिक प्रभावी और तेज बनेगी।

अवैध उप-विभाजित औद्योगिक प्लाट होंगे नियमित

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में आयोजित हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसमें इंडस्ट्रियल प्लॉट्स के नए सब-डिवीजन और नगर निगम सीमा के अंदर पुनर्वास योजना में मौजूद गैर-कानूनी सब-डिवाइडेड इंडस्ट्रियल प्लॉट्स को रेगुलर करने के लिए एक पॉलिसी बनाने का प्रस्ताव है। यह नीति उन औद्योगिक भूखंड मालिकों पर लागू होगी, जो नए उप-विभाजन की अनुमति प्राप्त करना चाहते हैं तथा उन औद्योगिक भूखंडों को नियमित करवाना चाहते हैं, जिन्हें पहले ही अवैध रूप से उप-विभाजित किया जा चुका है। ये भूखंड नगर पालिका सीमा के भीतर भारत सरकार के पुनर्वास मंत्रालय द्वारा विकसित पुनर्वास योजना क्षेत्रों में स्थित हैं। नीति के अनुसार, मूल औद्योगिक भूखंड का न्यूनतम क्षेत्रफल एक एकड़ होना चाहिए तथा उसका संपर्क कम से कम 12 मीटर चौड़ी मौजूदा सडक़ से होना आवश्यक है।

हरियाणा में जनगणना के कार्य में तेजी, कई जिलों में हाउस लिस्टिंग गतिविधियां सौ फीसदी शुरू : अनुराग रस्तोगी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा की समितियों के चेयरपर्सन्स के साथ बैठक की। बैठक में समितियों को और अधिक प्रभावशाली तथा जनकेंद्रित बनाने पर जोर दिया गया। विधान सभा अध्यक्ष ने समितियों की कार्यप्रणाली को और सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि समितियों की बैठकों से पहले एजेंडे पर एडवांस योजना बनाएं। एजेंडे पर एडवांस योजना तैयार करने के बाद बैठक के लिए एडवांस तैयारी करें। इस दौरान उन्होंने बैठकों के बाद प्रभावी रिपोर्टिंग व समितियों द्वारा दी जाने वाली सिफारिशों पर प्रभावी फालोअप करने पर भी जोर दिया। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि समितियों का प्रभावी ढंग से कार्य करना जरूरी है। समितियां विधान सभा सचिवालय, प्रदेश सरकार तथा कैग के बीच तालमेल बैठाएं। सरकार के संबंधित विभागों की ओर से समय पर जवाब मंगवाना सुनिश्चित करें। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि समितियों की बैठकों में सदस्यों की प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने सभी

चेयरपर्सन को आश्वासन दिया कि विधान सभा सचिवालय समितियों को हर प्रकार की सहयता करने में सक्षम है। यहां के संसाधनों का भरपूर सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि कमेटियों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करके ही प्रशासन को विधायिका के प्रति उत्तरदायी सुनिश्चित किया जा सकता है। हमारी संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका और कार्यपालिका एक दूसरे की प्रतिद्वंद्वी न होकर एक दूसरे की सहयोगी संस्थाएं हैं। दोनों संस्थाओं का मूल उद्देश्य जन हित को साधना है। इस उद्देश्य की पूर्ति में विधान सभा की कमेटियां सबसे प्रभावी उपकरण हैं। बैठक में विधान सभा उपाध्यक्ष एवं आवास समिति तथा जन स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली तथा लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें) सम्बन्धी विषय समिति के सभापति डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, लोक लेखा समिति के सभापति चौ. आफताब अहमद, प्राक्कलन समिति के सभापति प्रमोद कुमार विज, लोक उपक्रमों संबंधी समिति के राम कुमार गौतम, अनुसूचित जातियों, जन जातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए गठित समिति के सभापति विधायक भगवान दास, सरकारी आश्वासनों के बारे में समिति के सभापति विधायक भारत भूषण बत्तरा, अधीनस्थ विधान समिति के सभापति कृष्णा गहलावत, याचिका समिति के सभापति विनोद भ्याणा, स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति के सभापति मूलचंद शर्मा, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएं सम्बन्धी विषय समिति के सभापति लक्ष्मण सिंह यादव, प्रदूषण तथा पर्यावरण सम्बन्धी समिति के सभापति राम कुमार कश्यप मौजूद रहे।

समाधान शिविर का आयोजन सरकार की महत्वपूर्ण पहलः एसडीएम

एजेंसी

बेरी(झज्जर)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशन में उपमंडल प्रशासन द्वारा आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने नागरिकों की शिकायत सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान तय समय-सीमा में किया जाए और कार्यवाही की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य है कि नागरिकों की समस्याओं का निवारण उनके घर द्वार के समीप ही त्वरित गति से हो। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का समाधान शिकायतकर्ता की संतुष्टि के

साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर एसडीओ जनस्वास्थ्य विभाग राजीव कुमार, एसडीओ पशुपालन विभाग डॉ ऋषिपाल, एआईपीआरओ डॉ अश्वनी कुमार, जेई लोक निर्माण विभाग प्रवीण अहलावत, अनिल कुमार, पटवारी पवन कुमार, मंजीत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जनगणना 2027, मकान सूचीकरण सर्वे कार्य को समय रहते पूरा करें अधिकारी कर्मचारीः डीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक है और इससे प्राप्त आंकड़ों से भविष्य के लिए विकास की योजनाएं बनती हैं,जनगणना कार्य में लगे सभी प्रगणक ,सर्कल सुपरवाइजर इस कार्य को लग्न के साथ ध्यानपूर्वक पूरा करें। यह कार्य हर हाल में 30 मई तक पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला में जनगणना का कार्य पूरी जिम्मेदारी और सुव्यवस्थित ढंग से लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। सभी चार्ज अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि जनगणना का कार्य तय समय सीमा के भीतर प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। डीसी ने प्रगणकों को निर्देश दिए कि जहां कार्य पूरा हो चुका है वो अपनी रिपोर्ट तुरंत सबमिट करते हुए संबंधित सुपरवाइजर को अवगत कराएं। उन्होंने बताया कि जिन प्रगणकों ने कार्य पूरा कर लिया है उन्हें जनगणना से संबंधित कोई अन्य कार्य नहीं दिया जाएगा। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रधान जनगणना अधिकारी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने जिला के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे जनगणना कार्य में प्रशासन का सहयोग करें और प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य के लिए नियुक्त प्रगणक एवं सुपरवाइजर आपके घरों पर जानकारी एकत्र करने के लिए आएंगे। जिला के सभी नागरिक उन्हें सही, पूर्ण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान कर जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग दें। यदि आपने स्व-गणना की है, तो प्रगणक को एसई आईडी प्रदान करें।

एचपीएससी भर्तियों पर विरोध कांग्रेस व इनेलो का राजनीतिक स्टंट : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) में हरियाणा के अलावा दूसरे राज्यों के बच्चों को नौकरी मिलने का विरोध कांग्रेस व इनेलो का राजनीतिक स्टंट है। हरियाणा में एचएसएससी व एचपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है जिसमें केवल योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरियां मिलती हैं। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में मंत्रीमंडल की बैठक के उपरांत एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व इनेलो ने अपने शासनकाल में कभी मैरिट को प्राथमिकता नहीं दी जिसके कारण युवाओं के साथ-साथ उनके मां-बाप का विश्वास भी सरकार से गिर गया था। उस समय हर कोई यही मानने

लगा था कि पढ़ने-लिखने से नौकरी नहीं मिलेगी। लेकिन हमारी सरकार ने नौकरियों के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जिसमें मेरिट के आधार पर कोई भी युवा हरियाणा में नौकरी पा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हरियाणा के युवा यूपीएससी सहित पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात तथा अन्य राज्यों में नौकरियां लग रहे हैं तो अन्य राज्यों के बच्चे हरियाणा में नौकरी क्यों नहीं लग सकते। यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसमें कोई भी युवा अपनी काबिलियत के आधार पर किसी भी राज्य में नौकरी पा सकता है। हरियाणा में मैरिट के आधार पर युवाओं को नौकरियां मिल रही है, यह हमारी भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता का प्रमाण है। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के चलते पूरे विश्व में ऊर्जा का संकट बना हुआ है, इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे ऊर्जा की बचत के लिए हर संभव प्रयास करें। इसके लिए नागरिक पैदल, साईकिल, ट्रेन और अन्य सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें। जरूरी होने पर ही अपने वाहनों का इस्तेमाल करें। यह किसी एक देश अथवा भारत की समस्या नहीं है बल्कि यह एक वैश्विक समस्या है जिससे बाहर निकलने के लिए हम सबको सहयोग करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी सरकार ने आदेश दिए हैं कि सरकारी कार्यालयों में अधिक से अधिक मीटिंगें वर्चुअल माध्यम से करें और जहां संभव हो वहां वर्क फ्रॉम होम के नियम को अपनाएं। उन्होंने कहा कि पूरे देश के साथ-साथ हरियाणा के लोग भी माननीय प्रधानमंत्री की अपील पर अमल कर रहे हैं और हम सबको विश्वास है कि प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप हम विकसित भारत, मजबूत भारत व सशक्त भारत के निर्माण में सफल होंगे।

मंत्रिमंडल की बड़ी बैठक, कई अहम फैसलों पर लगी मुहर

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में आज प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता कर इन फैसलों की जानकारी साझा की। मंत्रिमंडल ने पोस्ट ग्रेजुएट टीचर के 3069 पदों के संबंध में BC-A और BC-B श्रेणियों से जुड़े उम्मीदवारों को बड़ी राहत प्रदान की है। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 23 जुलाई 2024 को विभिन्न विषयों में पीजीटी के 3069 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया गया था। मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया कि 17 नवंबर 2021 की अधिसूचना के तहत वर्ष 2024-25 के दौरान 23 जुलाई 2024 से पहले जारी क्ष्ट- और क्ष्ट-क्कप्रमाणपत्रों को सभी प्रयोजनों के लिए वैध माना जाएगा। साथ ही मेवात कैडर में पीजीटी पदों पर भर्ती के लिए विशेष प्रावधान को भी मंजूरी दी गई, जिससे मेवात कैडर के रिक्त पदों पर शेष हरियाणा कैडर के योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अवसर मिलेगा। एचपीएससी द्वारा 2024 में दोनों कैडरों में 20 विषयों के कुल 3069 पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए थे, जिनमें 282 पद मेवात कैडर और 2787 पद शेष हरियाणा कैडर

के लिए निर्धारित थे। इस निर्णय से मेवात क्षेत्र में शिक्षकों की कमी दूर होगी। बैठक में एग्रीगेटर लाइसेंस देने के नियमों को भी फाइनल मंजूरी प्रदान की गई। नए नियमों के तहत 1 जनवरी 2026 से एनसीआर में एग्रीगेटर्स, डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर और ई-कॉमर्स कंपनियों में नई गाड़ियां केवल सीएनजी, ईवी और स्वच्छ ईंधन वाली ही शामिल की जाएंगी। मंत्रिमंडल ने मेक-इन-हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2026 को मंजूरी दे दी है। इस नई नीति में दशकों पुरानी, क्क ष्ट और ष्ठ ब्लॉक की वर्गीकरण प्रणाली को समाप्त कर दिया गया है। अब औद्योगिक प्रोत्साहन केवल चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि प्रदेश के हर ब्लॉक तक पहुंचेंगे। नीति में पूंजीगत सब्सिडी, एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, स्टाम्प ड्यूटी प्रतिपूर्ति और रोजगार सृजन प्रोत्साहन जैसे आकर्षक वित्तीय प्रावधान शामिल किए गए हैं। उद्योगों को 30 से 70 प्रतिशत तक शुद्ध एसजीएसटी प्रतिपूर्ति का लाभ मिलेगा। महिलाओं, अनुसूचित जाति, दिव्यांगजन, अग्निवीर और पूर्व सैनिकों के लिए यह सहायता बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष की गई है। निवेशकों को 45 कार्य दिवसों में भूमि व्यवहार्यता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। हरित एवं सतत औद्योगिक विकास के लिए कार्बन क्रेडिट, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित भवन और शून्य द्रव अपशिष्ट प्रणाली जैसे प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। अनधिकृत औद्योगिक कॉलोनियों के नियमितीकरण को विशेष नीति के दायरे में लाने को भी मंजूरी दी गई। कम से कम 50 उद्यमी जिनकी इकाइयां कम से कम 10 एकड़ सन्निहित भूमि पर स्थित हैं, सामूहिक रूप से पोर्टल पर आवेदन कर इस नीति का लाभ ले सकेंगे। 3 अक्टूबर 2025 से पहले बनी ऐसी कॉलोनियां नियमितीकरण के लिए पात्र होंगी और इनमें सड़क, पानी, बिजली व अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। नगर पालिका सीमा के भीतर इंडस्ट्रियल प्लॉट्स के नए सब-डिविजन और पहले से अवैध रूप से सब-डिवाइडिड प्लॉट्स के नियमितीकरण की नीति को भी मंजूरी मिली है।

कैबिनेट ने डेयरी फार्मिंग के लिए स्वयं सहायता समूहों को शामलात देह भूमि पट्टे पर देने को मंजूरी दी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में विकास एवं पंचायत विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के तहत, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (HSRLM) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को डेयरी फार्मिंग के उद्देश्य से शामलात देह (सामुदायिक) भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इस उद्देश्य के लिए कैबिनेट ने हरियाणा ग्राम सांझी भूमि (विनियमन) नियम, 1964 के नियम 6 में संशोधन को संबंधित नियमों और शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है। संशोधित प्रावधानों के बाद, ग्राम पंचायतों को हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों और स्वयं सहायता समूहों की सहकारी समितियों को डेयरी स्थापित करने के लिए 500 वर्ग गज तक की शामलात देह भूमि पट्टे पर देने की अनुमति होगी। यह पट्टा शुरू में पांच साल की अवधि के लिए दिया जाएगा, और डेयरी के संतोषजनक संचालन के आधार पर (जैसा कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रमाणित किया जाएगा), इसे और तीन साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

इस नीति को स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि वे डेयरी इकाइयों का सफलतापूर्वक संचालन करने के बाद अंततः स्वतंत्र रूप से अपनी भूमि खरीद सकें। पट्टे की अवधि बढ़ाने के लिए, संबंधित उपायुक्त की पूर्व मंजूरी अनिवार्य होगी। उपायुक्त ही ग्राम पंचायतों को ऐसी भूमि पट्टे पर देने के लिए मंजूरी प्रदान करने हेतु सक्षम प्राधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। संशोधित नीति में आगे यह भी निर्धारित किया गया है कि स्वयं सहायता समूहों के सदस्य उसी गाँव या ग्राम पंचायत के निवासी होने चाहिए। इसके अलावा, कोई भी स्वयं सहायता समूह भूमि आवंटन के लिए तब तक पात्र नहीं होगा।

हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की तैयारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि चंडीगढ़ और दिल्ली की तर्ज पर हरियाणा में भी इलेक्ट्रिक वाहनों पर शत-प्रतिशत टैक्स छूट देने के लिए उनकी ओर से प्रस्तावित फाइल आगे बढ़ा दी गई है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। चंडीगढ़ में कैबिनेट बैठक से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए अनिल विज ने कहा कि यदि इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स में राहत दी जाती है, तो लोगों का रुझान तेजी से ईवी वाहनों की ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मजबूत करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। परिवहन मंत्री ने बताया राज्य सरकार 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कदम हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में

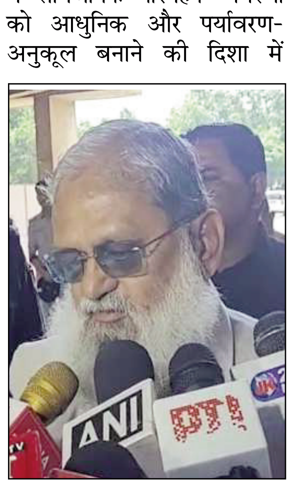

महत्वपूर्ण साबित होगा। विज ने कहा कि सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक लोग इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं, ताकि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ ईंधन पर निर्भरता भी घटाई जा सके।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर टैक्स छूट देने का प्रस्ताव दिल्ली और चंडीगढ़ की नीति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसके जरिए लोगों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ हरित परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को लाए जाने संबंधी सवाल पर अनिल विज ने कहा कि कैबिनेट में कौन-सा प्रस्ताव रखा जाएगा, इसका निर्णय मुख्यमंत्री स्तर पर लिया जाता है। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों के बीच इस विषय को लेकर लगातार वर्चुअल बैठकें हो रही हैं और कई प्रशासनिक प्रक्रियाएं टेलीफोन के माध्यम से भी पूरी की जा रही हैं।

परिवहन मंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में हरियाणा इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा और राज्य में ईवी क्रांति को नई गति मिलेगी।

निगम आयुक्त ने गांव शिकोहपुर का दौरा किया, ग्रामीणों की समस्याओं पर दिए त्वरित समाधान के निर्देश

एजेंसी

मानेसर। नगर निगम मानेसर के आयुक्त प्रदीप सिंह ने वार्ड-17 के गांव शिकोहपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर मौके पर मौजूद निगम अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने विशेष तौर पर कहा कि निगम और एनएसईजेड की जमीन की पैमाइश कराई जाए, ताकि भविष्य की विकास योजनाओं के अनुसार कार्यों की रूपरेखा तैयार की जा सके। इस दौरान ग्रामीणों ने आयुक्त के समक्ष गांव की कई अहम मांगें रखी। ग्रामीणों ने आयुक्त को बताया कि शिकोहपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग-48 से जोड़ने वाली मुख्य सड़क को बनाया जाए। इस पर आयुक्त ने मौके पर पर ही संबंधित एक्सईएन को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। आयुक्त ने कहा कि बुनियादी ढ़ांचे से जुड़े कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। विकास कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। ग्रामीणों ने आयुक्त के समक्ष गुरु ज्ञान मंदिर परिसर में टॉयलेट , आरसीसी शेड

और शमशान घाट की चारदीवारी की मांग भी रखी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन कार्यों को भी जल्द से जल्द कराया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। आगे कहा कि गांवों के समग्र विकास के लिए स्थानीय जरूरतों को समझकर योजना बनाना बेहद जरूरी है। इस दौरान उनके साथ एक्सईएन सुशील ठाकरान, एसडीओ विकास शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सीएम सैनी ने ईंधन बचाने का संदेश देने के लिए सुखना झील तक साइकिल चलाई

एजेंसी

चंडीगढ़ । वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ईंधन बचाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को साइकिल चलाई। सीएम सैनी साइकिल से बारिश के पानी से भरी सुखना झील तक पहुंचे और फिर अपनी सुबह की सैर पर निकले। एक सरकारी प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया कि सैर के दौरान सीएम सैनी ने लोगों से बातचीत की और 'स्वस्थ भारत, स्वस्थ हरियाणा' का संदेश दिया। प्रवक्ता ने कहा कि सीएम सैनी ने जनता से पीएम मोदी की अपील में सहयोग करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष से भी 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा

NAME CHANGE

I hitherto known as SHIMLA RANI D/o Puran Chand, and W/o Rajpal Singh, residing at House No. C-5 233/2, Bharat Sewak Nagar, Budiya Chowk, Jagadhri, Yamuna Nagar, Haryana-135003, have changed my name and shall hereafter be known as SARITA, for all future purposes.

कहा, 'हमने वर्चुअल मीटिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे विकल्पों को अपनाने का फैसला किया है। ' पिछले सप्ताह, मुख्यमंत्री ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी करके ईंधन बचाने, पर्यावरण की रक्षा

करने और संसाधनों के संतुलित इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक अहम पहल की। प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से काफिले में सिर्फ जरूरी गाड़ियों को ही रखा गया है। सीएम सैनी ने सप्ताह में एक दिन बिना किसी गाड़ी का इस्तेमाल किए काम करने का भी संकल्प लिया है। उन्होंने जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों से खुद मिसाल कायम करने और समाज को एक सकारात्मक संदेश देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रियों और विभागीय अधिकारियों को भी यात्रा के दौरान सीमित गाड़ियों का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने अधिकारियों और आम जनता से सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके इस ईंधन-बचत अभियान में हिस्सा लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अगर हर कोई छोटे-छोटे प्रयास करे, तो न सिर्फ ईंधन बचाने में, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी अहम योगदान दिया जा सकता है।

निगम क्षेत्र में बंद पड़े बोरवैल को चिन्हित करें, मानसून से पहले तैयार करें वाटर हार्वेस्टिंग पिट- सीनियर डिप्टी मेयर

एजेंसी

मानेसर। नगर निगम मानेसर के सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव ने निगम अधिकारियों से कहा कि निगम क्षेत्र में बंद पड़े सभी बोवैल को एक सप्ताह के भीतर चिन्हित करें। उन सभी बोरवैल को मानसून से पहले वाटर हार्वेस्टिंग पिट में तैयार करें। पिट के जरिए पानी को वापिस भूमि में छोड़कर भूमिगत जल स्तर में सुधार होगा। यह बात प्रवीन यादव ने निगम कार्यालय में इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ भूजल का दोहन भी बढ़ता जा रहा है। वर्षा जल को हार्वेस्टिंग पिट के जरिए वापिस भूमि में छोड़कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल का संचय कर सकते हैं। निगम क्षेत्र में बंद पड़े सभी सरकारी बोरवैल की एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तैयार करें और मानूसन से पहले उन्हें वाटर हार्वेस्टिंग पिट के तौर पर तैयार करें। इस मानसून वर्षा का जल संचय करना ही हमारी प्राथमिकता है। निगम की बागवानी शाखा के अधिकारियों ने बताया कि निगम क्षेत्र के अधिकतर जोहड़ों से अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। इन सभी जोहड़ो का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके अलावा गांव कुकडौला, सहारावन में पार्क बनाने का टेंडर लगा दिया गया है। नौरंगपुर में हर्बल पार्क और नर्सरी बनाई जाएगी। गांव नखड़ौला में जोहड़ और आगंनवाड़ी केंद्रों की निशानदेही करवाकर जल्द ही यहां भी जोहड़ का सौदर्यीकरण किया जाएगा। गांव रामपुरा में जोहड़ में भरने वाले पानी को निकालने के लिए नई पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव ने अधिकारियों से कहा कि निगम की ओर से बनाए गए पब्लिक और कम्युनिटी टॉयलेट जिनका रख-रखाव एजेंसी को सौंपा जा चुका है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर आमजन के उपयोग के लिए खोला जाए। यदि एजेंसी तय समय सीमा के भीतर काम शुरू नहीं करेगी तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी।

जापान की अर्थव्यवस्था में पहली तिमाही में 2.1 फीसदी की वार्षिक वृद्धि

पश्चिमी एशिया संघर्ष और ऊर्जा कीमतों की बढ़ोतरी के बावजूद दिखी मजबूती

तोक्यो ।

जापान की अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 2.1 प्रतिशत की वार्षिक दर से मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पश्चिमी एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद यह लगातार दूसरी तिमाही की वृद्धि देश की आर्थिक मजबूती को दर्शाती है। मंत्रिमंडल कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस बेहतर परिणाम का श्रेय मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और व्यवसायों द्वारा बढ़ाए गए खर्च को जाता है। पिछले तिमाही के मुकाबले वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। निजी उपभोग में तिमाही आधार पर 0.3 प्रतिशत और सार्वजनिक मांग में भी 0.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात में 1.7 प्रतिशत और आयात में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। प्रधानमंत्री साnaए ताकाइची ने भविष्य में इस विकास दर को बनाए रखने के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिसके लिए सरकारी खर्च में और बढ़ोतरी की आवश्यकता हो सकती है।

अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी को बड़ी राहत, आपराधिक मामले बंद

न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने खारिज किए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने गौतम अडानी और अडानी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह फैसला अडानी ग्रुप से जुड़े अमेरिका के कई प्रमुख कानूनी और नियामक मामलों का पटाक्षेप करता है, जिससे समूह को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला उन आरोपों के बाद आया है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर परियोजनाओं के लिए कथित रिश्वत योजना और अमेरिकी निवेशकों से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। समूह ने इन आरोपों को हमेशा बेबुनियाद बताया था। अमेरिकी अदालत में दाखिल दस्तावेजों में, न्याय विभाग ने आगे संसाधन खर्च न करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले को`` विथ प्रेजुडिस खारिज कर दिया, यानी इसे भविष्य में दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। जांच में, अभियोजकों को आरोपों के पर्याप्त सबूत या स्पष्ट अमेरिकी कनेक्शन नहीं मिले, जिसके बाद डीओजे ने केस वापस लिया। अडानी के वकीलों ने अदालत में मजबूत कानूनी दलीलें दी थीं। हाल ही में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी के साथ सिविल सेटलमेंट किया था, जिसमें उन्होंने बिना गलती स्वीकार किए भुगतान पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओफेक एजेंसी ने भी ईरान से एलपीजी आयात से जुड़े प्रतिबंध उल्लंघन मामले को अडानी ग्रुप के 27.5 करोड़ डॉलर के भुगतान और सहयोग के वादे के साथ निपटाया था। कानूनी विशेषज्ञों और अडानी के वकीलों ने अमेरिकी कानूनों को भारतीय लेनदेन पर लागू करने के प्रयासों पर सवाल उठाए थे, यह तर्क देते हुए कि बॉन्ड्स अमेरिकी एक्सचेंजों पर ट्रेड नहीं होते थे और निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद, अडानी ग्रुप को मिली यह कानूनी और कारोबारी राहत उसके वैश्विक विस्तार योजनाओं और निवेशकों के विश्वास को मजबूती प्रदान कर सकती है।

बैंकों की बंपर कमाई फिर भी कमजोर मूल्यांकन, बैंक निफ्टी में रिकॉर्ड गिरावट

निफ्टी 50 के मुकाबले बैंक निफ्टी 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर

नई दिल्ली ।

बाजार के मौजूदा हालात में बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि और कमाई निवेशकों को चिंतित कर रही है। बेंचमार्क निफ्टी 50 सूचकांक के मुकाबले बैंक निफ्टी का मूल्यांकन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो 2015 के बाद सबसे बड़ा अंतर है। यह तब हो रहा है जब बैंकिंग क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में कॉर्पोरेट आय वृद्धि में अहम योगदान दिया है। बैंक निफ्टी वर्तमान में निफ्टी 50 की तुलना में 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है। इसका प्राइस-टु-बुक अनुपात 1.83 है, जबकि निफ्टी 50 का 3.25। खास बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में बैंक निफ्टी की प्रति शेयर आय (ईपीएस) में 172 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 , निफ्टी 31 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर बाजार बंद होने से कुछ ही समय पहले इसमें गिरावट आने लगी। अंतिम घंटे में बैंक, वित्तीय और धातु शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक टूटकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.95 अंक फिसलकर 23,618 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। कोटक महिंद्रा के अलावा टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस के शेयरों भी गिरावट रही जबकि इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस के शेयर उछले। निफ्टी पर टाइटन कंपनी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप में 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.17 फीसदी बढ़त रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी गिरे। निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी केमिकल में भी तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह निफ्टी 87 अंक की बढ़त के साथ 23,726.6 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, सेंसेक्स भी 320.09 अंक की तेजी के साथ 75,651.53 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अन्य पश्चिम एशियाई देशों के अनुरोध के बाद एक प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को रोक दिया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि क्षेत्र में ऐसा समझौता संभव है।

आईओसी का चौथी तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी में उसका एकल आधार पर मुनाफा बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 7,264.85 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में उसे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण भारी नुकसान हुआ, लेकिन इसके बावजूद उसने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 36,802.42 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 12,961.57 करोड़ रुपये था।

ईरान पर अमेरिकी हमला टलते ही कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमला टालने की घोषणा से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स मंगलवार को 2.55फीसदी गिरकर 109.194 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.91फीसदी टूटकर 102 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार को यूएई के एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। अब क्रूड की कीमतों में आई गिरावट भारत समेत दुनिया के लिए बड़ी राहत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि यह हमला पूरी तरह तय था, लेकिन मिडिल ईस्ट के तीन सबसे शक्तिशाली और बड़े नेताओं के सीधे हस्तक्षेप और व्यक्तिगत अनुरोध के बाद उन्होंने अमेरिकी सेना को हमले रोकने के निर्देश दिए हैं। तेल बाजार इस समय अमेरिका और ईरान के तनाव पर सबसे तेज प्रतिक्रिया दे रहा है। शांति समझौते की दिशा में थोड़ी सी प्रगति होने पर क्रूड के दाम गिर जाते हैं तो तनाव बढ़ने के संकेत मिलते ही ऊपर चढ़ जाते हैं। होर्मुज खुलेगा या नहीं, यह इसी समझौते पर निर्भर है। ईरान ने अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी से शुरू किए गए हमलों के जवाब में रणनीतिक महत्व वाले इस जलमार्ग को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने रूसी समुद्री तेल पर लागू प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट को 30 दिन के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई देशों ने अमेरिका से आग्रह किया था कि उन्हें रूसी तेल खरीद जारी रखने के लिए थोड़ा और समय दिया जाए। अमेरिका ने पहले यह छूट मार्च में दी थी ताकि वैश्विक बाजार में तेल की कमी और कीमतों में अचानक आई तेजी को नियंत्रित किया जा सके।

प्रवर्तकों के पूंजी निवेश से मजबूत हुआ वीआई का इरादा, जल्द बैंक कर्ज मिलने की उम्मीद

35,000 करोड़ रुपये की फंडिंग के लिए बैंकों से बातचीत अंतिम दौर में

नई दिल्ली ।

देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का शीर्ष प्रबंधन बैंकों से 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। कंपनी के प्रवर्तकों द्वारा इक्विटी डालने के फैसले और 5जी नेटवर्क के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना ने इस विश्वास को और मजबूत किया है। कंपनी जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के नतीजे घोषित करने के बाद अपनी रणनीति पर खुलकर बात की। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्य अधिकारी अभिजित किशोर ने बताया कि कंपनी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह, जिसमें सार्वजनिक, निजी और विदेशी बैंक शामिल हैं, के साथ 35,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए लगातार बातचीत कर रही है। इसमें 25,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता और 10,000 करोड़ रुपए की गैर-वित्तीय सहायता या ऋण सुविधा शामिल होगी। किशोर ने बातचीत पूरी होने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई, लेकिन जल्द सफल होने का भरोसा जताया। यह भरोसा ऐसे समय में आया है जब आदित्य बिड़ला समूह ने तरजीही निर्गम के जरिये वीआई में 4,730 करोड़ रुपए का निवेश करने का निर्णय लिया है। इसमें सिंगापुर की कंपनी सूर्यजा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड को वारंट जारी किए जाएंगे, जिसकी लगभग 25 फीसदी रकम तुरंत चुकाई जाएगी और शेष 18 महीनों में। इस निवेश से प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 3.82 फीसदी बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि कुमार मंगलम बिड़ला को इसी महीने वोडाफोन आइडिया का गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वीआई अगले तीन वर्षों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और अपनी बाजार स्थिति मजबूत करने के लिए 45,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है।

कंपनी का लक्ष्य दो अंकों में आय वृद्धि, परिचालन मुनाफे को तीन गुना करना और ग्राहकों को लगातार जोड़ते रहना है। अभिजित किशोर ने निदेशक मंडल में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि ये कदम प्रवर्तक समूह के दीर्घकालिक समर्थन को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी को पिछले साल दिसंबर में संशोधित आकस्मिक देनदारी समायोजन तंत्र (क्लैम) समझौते के तहत वोडाफोन पीएलसी से 5,836 करोड़ रुपए भी मिलेंगे, जिसकी मूल संधि 2017 में विलय के दौरान हुई थी।

अदाणी मामला सुलझने से भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को मिलेगा बल यूएसआईएसपीएफ

रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी

वॉशिंगटन ।

अदाणी एंटरप्राइज से जुड़े कानूनी विवाद के अमेरिकी न्याय मंत्रालय के साथ निपटारे से भारत-अमेरिका की मजबूत आर्थिक साझेदारी में आ रही एक बड़ी बाधा समाप्त हो गई है। यूएसआईएसपीएफ (अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच) ने इस समाधान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। समूह ने ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोपों के निपटारे के लिए 27.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है, जिसके बाद उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोप स्थायी रूप से वापस ले लिए गए हैं।

यूएसआईएसपीएफ ने कहा कि अदाणी एंटरप्राइज का अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश करने का संकल्प राजदूत सर्जियो गोर की उस हालिया घोषणा पर आधारित है, जिसमें उन्होंने बताया था कि भारतीय कंपनियां अमेरिका में विभिन्न क्षेत्रों में 20.5 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही हैं।

यूएसआईएसपीएफ का मानना है कि ये निवेश अमेरिका में मजबूत भागीदार बनने की भारतीय कंपनियों की इच्छा को दर्शाते हैं। इससे मौजूदा सहयोग को बल मिलेगा, रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति

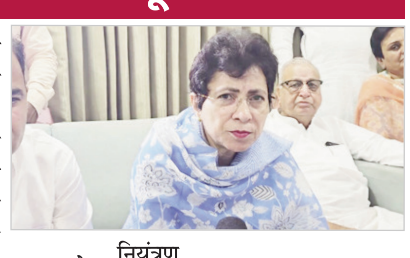

नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने भी जांच में अदाणी समूह के व्यापक सहयोग और सक्रिय रूप से जानकारी साझा करने की सराहना की। इस निपटारे से न्यूयॉर्क में चल रहा प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी का चर्चित मामला पूरी तरह समाप्त हो गया है।

भीषण गर्मी से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

विद्युत मंत्रालय ने गर्मी में 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया

नई दिल्ली । देश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिसके चलते बिजली की मांग ने सोमवार को सर्वकालिक उच्च स्तर छू लिया। एयर कंडीशनर और डेजर्ट कूलर जैसे शीतलन उपकरणों के व्यापक उपयोग के कारण अधिकतम बिजली मांग 257.37 गीगावाट दर्ज की गई, जो पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। विद्युत मंत्रालय ने हालांकि पुष्टि की है कि इस पूरी मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को दोपहर 3 बजे के बाद यह रिकॉर्ड मांग दर्ज की गई, जो 256.11 गीगावाट के पिछले उच्च स्तर से भी अधिक है। मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में देश की अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू चलने का अनुमान लगाया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 24 मई तक लू की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती गर्मी और घरेलू व व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा शीतलन उपकरणों के बढ़ते उपयोग से बिजली की मांग एवं खपत आगे भी बढ़ सकती है। आईएमडी ने इस वर्ष भीषण गर्मी रहने का अनुमान जताया है।

देश का खाद्य तेल आयात 2025-26 में तीन प्रतिशत बढ़ा उद्योग निकाय

एसएएफटीए समझौते के तहत नेपाल से 113 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का खाद्य तेल आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 166.51 लाख टन तक पहुंच गया है। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने बताया कि नेपाल से शुल्क-मुक्त आयात में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण रही, जिसने पिछले वर्ष के 161.82 लाख टन के आंकड़े को पार कर लिया। एसईए के अनुसार दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत शून्य-शुल्क पहुंच का लाभ उठाते हुए नेपाल ने इस अवधि में भारत को 7.36 लाख टन खाद्य तेल निर्यात किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 लाख टन से 113 प्रतिशत अधिक है। नेपाल से परिष्कृत सोयाबीन तेल का सबसे अधिक आयात हुआ, जिसने कुल आयात वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि एसएएफटीए व्यवस्था न होती तो आयात पिछले स्तर से कम रह सकता था। भारत अब भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। तिलहन की कम पैदावार, खंडित

भूमि जोत, सीमित सिंचाई और गेहूं-चावल केंद्रित कृषि नीति घरेलू उत्पादन में बाधा डाल रही है। एसईए ने दीर्घकालिक आयात निर्भरता घटाने के लिए तिलहन उत्पादकता बढ़ाने और घरेलू मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उपाय सुझाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खाद्य तेल उपभोग को नियंत्रित करने की हालिया अपील का जिक्र करते हुए एसईए ने कहा कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और अत्यधिक उपयोग पर नियंत्रण से आयात निर्भरता कम होगी तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटेगा।

बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत सहारा, पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सरकार समर्थित इस योजना में 8.2 फीसदी तक ब्याज और हर तिमाही मिलती है निश्चित आय

नई दिल्ली ।

रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) एक बेहद भरोसेमंद और लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकें और नियमित आय का आनंद ले सकें। एससीएसएस को भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जाता है, जिससे इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और जोखिम लगभग शून्य हो जाता है। वर्तमान में, यह योजना सालाना 8.2 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद यह ब्याज दर पूरे 5 साल की अवधि के लिए तय रहती है, भले ही भविष्य में बाजार दरों में उतार-चढ़ाव आए। ब्याज का भुगतान हर तीन महीने में सीधे निवेशक के खाते में किया जाता है, जिससे नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस योजना में न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। व्यक्तिगत खाते के लिए अधिकतम निवेश सीमा 15 लाख रुपए और जॉइंट खाते के लिए 30 लाख रुपए है। सामान्यतः 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति इसमें खाता खोल सकते हैं, जबकि कुछ विशेष परिस्थितियों में 50 या 55 वर्ष से अधिक आयु के रिटायर्ड कर्मी भी पात्र होते हैं। योजना की अवधि 5 साल है, जिसे 3 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इसमें आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। जो लोग अधिकतम निवेश का विकल्प चुनते हैं, उन्हें इसका अच्छा फायदा मिलता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक एससीएसएस में अधिकतम 30 लाख रुपए का निवेश करता है, तो 8.2 फीसदी सालाना ब्याज दर के हिसाब से उन्हें लगभग 2,46,000 रुपए प्रति वर्ष का ब्याज मिलता है। यह राशि तिमाही आधार पर लगभग 61,500 रुपए होती है, जिसका अर्थ है कि निवेशक को औसतन लगभग 20,500 रुपए प्रतिमाह की नियमित और निश्चित आय प्राप्त होती है। यह स्कीम बुढ़ापे में आर्थिक स्वतंत्रता और मन की शांति प्रदान करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है।

वैश्विक तनाव से क्रिप्टो बाजार में खलबली, बिटकॉइन मई के निचले स्तर पर

ईरान-अमेरिका तनाव और ईटीएफ से निकासी का दिखा असर, एशियाई बाजारों में भी गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 76,568 डॉलर पर आ गई, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई।

बनी आशंकाओं ने निवेशकों को जोखिम वाले निवेश से दूर कर दिया। इसके साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से पिछले सप्ताह 1 अरब डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड निकासी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया, जो जनवरी के बाद पहली बार हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में भी करीब 3 फीसदी की तेजी आई, और अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 111.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सोमवार को बिटकॉइन ने मई महीने का अपना सबसे निचला स्तर छू लिया। 76,568 डॉलर तक गिरने के बाद, खबर लिखे जाने तक यह 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 77,256 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जबकि एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट में लगभग 50 करोड़ डॉलर के लॉन्ग पोजिशन खत्म हो गए। जार में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान तनाव से पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को चेतावनी भरे बयान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर

विश्लेषकों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 75,000-73,000 डॉलर का स्तर मजबूत सपोर्ट है, जबकि 77,000 डॉलर तत्काल रेजिस्टेंस माना जा रहा है। उन्होंने निवेशकों को अचानक आने वाली तेजी के पीछे भागने के बजाय पोर्टफोलियो संतुलन और मजबूत बुनियादी आधार वाली संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। वैश्विक बाजारों पर भी इसका असर दिखा, जहां जापान का निक्केई 225 और हांग सेंग इंडेक्स लगभग 1 फीसदी गिरे।

सरकार ने मंदिर के सोने के मुद्रीकरण की अफवाहों को खारिज किया

वित्त मंत्रालय ने कहा- नागरिकों से केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करने की अपील

नई दिल्ली।

सरकार ने देशभर के मंदिरों के पास रखे सोने के मुद्रीकरण को लेकर चल रही अफवाहों और अटकलों को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और निराधार हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों या दरवाजों पर लगे सोने को भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार के रूप में मानने के दावे भी झूठे और निराधार हैं। सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने की अपील की है, क्योंकि इससे अनावश्यक भ्रम फैलता है। मंत्रालय ने ज़ोर देकर कहा कि

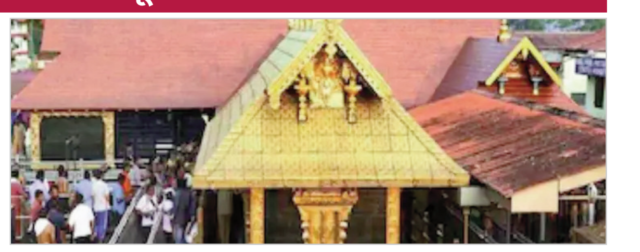

सभी महत्वपूर्ण जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों जैसे प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी वेबसाइटों के माध्यम से ही जारी की जाएगी, इसलिए केवल उन्हीं पर भरोसा किया जाए।

सादगी संयमित उपयोग से निकलेगा संकट का समाधान

मनोज कुमार अग्रवाल

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

कैसा विरोधाभास है जिस समय विपक्ष को मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर देशवासियों को संयम मितव्ययता और सहयोग की प्रेरणा देने का नैतिक दायित्व निर्वहन करना चाहिए उस समय समूचा विपक्ष पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर अपनी कुंठा निकाल रहा है। यही हमारे देश की औछी राजनीति और नेताओं की स्वार्थी और सिर्फ कुर्सी पाने की लिप्स तक सीमित सोच का नतीजा है।

आपको बता दें कि दुनिया के बदलते हालात ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश वैश्विक संकटों से पूरी तरह अलग रहकर सुरक्षित नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव कच्चे तेल की आपूर्ति, गैस, उर्वरक, खाद्य तेल, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू महंगाई तक दिखाई देने लगा है। भारत जैसे विशाल और ऊर्जा निर्भर देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील केवल सामान्य सलाह नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक दबावों के प्रति देश को तैयार करने का संकेत है। साथ ही यह समय की मांग भी है। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने काफिले का आकार कम करने का निर्णय लिया है। यह कदम सिर्फ दिखावा नहीं है यह व्यवहारिक प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी साबित हुआ है। जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व मितव्ययिता को अपने आचरण में उतारता है, तो उसका संदेश नीचे तक जाता है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल को निर्देश दिया है कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना काफिले में वाहनों की संख्या कम की जाए। साथ ही, जहां तक संभव हो, नई गाड़ियां खरीदे बिना इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाए। यह निर्णय बताता है कि संकट के समय केवल जनता से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि नेतृत्व को स्वयं उदाहरण बनना होता है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के निदेशों का पालन शुरू भी हो चुका है। हैदराबाद में उनके संबोधन के बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाई गई है।अधिकांश भाजपा और एनडीए नीत सरकारों वाले राज्यों में तमाम मंत्रियों अधिकारियों ने इस तरह के कदम उठाए। हालांकि पीएम सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जरूरी भी है, क्योंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि सुरक्षा व्यवस्था के भीतर भी विवेकपूर्ण खर्च और संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यही संतुलन आज देश के हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इसी दिशा में पहल की है। विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा गया है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए उनके काफिले में स्वाभाविक रूप से अधिक वाहन रहते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया। देश के अन्य मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा भी इस तरह की पहल की जानी चाहिए। संकट के समय सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोगों का व्यवहार जनता के मनोबल को प्रभावित करता है। आज आवश्यकता केवल सरकारी कटौती की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन की है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह चिंता व्यक्त की है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो आम उपभोक्ताओं को भी ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान चेतावनी भी है और तैयारी का संकेत भी। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया है। इसके लिए शुल्क में कमी, नियंत्रित कीमतों में सीमित समायोजन और राजकोपीय संतुलन जैसे उपाय किए गए हैं। लेकिन कोई भी सरकार अनिश्चित काल तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बड़ी हुई कीमतों का पूरा बोझ स्वयं नहीं उठा सकती। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचना स्वाभाविक होगा। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। भारत की पश्चिम एशिया पर निर्भरता बहुत गहरी है। हमारे कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से जुड़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का बड़ा भाग भी इसी क्षेत्र से आता है। उर्वरक और गैस आपूर्ति में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता केवल पेट्रोल पंपों पर कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर खेती, उद्योग, रसोई, परिवहन, व्यापार और रोजगार तक दिखाई दे सकता है। इसलिए इस संकट को केवल तेल संकट मानना भूल होगी। यह व्यापक आर्थिक चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों का सबसे तीखा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अभी भी काफी अधिक है। यदि ईंधन महंगा होता है, तो माल ढुलाई महंगी होती है। माल दुलाई महंगी होती है तो सब्जी, अनाज, दाल, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। इस तरह तेल की कीमत में वृद्धि धीरे-धीरे आम आदमी की थाली तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि इस समय इंधन बचत को केवल पर्यावरण या परिवहन का मुद्दा नहीं समझना चाहिए। यह महंगाई नियंत्रण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों के सामने चुनौती यह है कि वैश्विक संकट का घरेलू असर सीमित रखा जाए। मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित करने का एक साधन हो सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष के बड़े झटकों से केवल ब्याज दरों के सहारे नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए सरकार, उद्योग, प्रशासन और जनता सभी को मिलकर काम करना होगा। जहां सरकार खर्च में अनुशासन लाए, वहीं नागरिक भी अपनी जीवनशैली में थोड़ी सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा, दिखावटी खर्च, अत्यधिक ईंधन खपत और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करना समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने की अपील भी इसी व्यापक आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत में सोना भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने पर सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। संकट के समय यदि लोग कुछ समय के लिए सोने की गैर-जरूरी खरीद को टालते हैं, तो इससे देश को राहत मिल सकती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत से आयात बिल कम करने में सहायता मिलेगी। छोटी-छोटी बचतें जब करोड़ों नागरिकों द्वारा की जाती हैं, तो उनका प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। संकट के समय राष्ट्रों की असली शक्ति केवल सेना, मुद्रा भंडार या सरकारी नीतियों से नहीं मापी जाती। वह जनता के अनुशासन, नेतृत्व के आचरण और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। आज भारत के सामने अवसर है कि वह संयम, मितव्ययिता और आत्मनियंत्रण के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदले। प्रधानमंत्री द्वारा काफिले में कटौती का कदम इसी दिशा में एक संदेश है कि कठिन समय में शुरूआत ऊपर से होनी चाहिए। अब आवश्यकता है कि यह संदेश सरकार के हर विभाग, हर राज्य, हर संस्था और हर नागरिक तक पहुंचे। यह समय भय का नहीं, समझदारी का है। यह समय घबराहट का नहीं, तैयारी का है। यदि नेतृत्व उदाहरण प्रस्तुत करे और जनता सहयोग दे, तो वैश्विक संकटों का असर कम किया जा सकता है। मितव्ययिता कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व राष्ट्र का गुण है। आज देश को यही समझना होगा कि बचाया गया ईंधन, टाली गई अनावश्यक खरीद और रोका गया फिजूल खर्च केवल व्यक्तिगत बचत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योगदान है। कठिन दौर में संयम ही सबसे बड़ा समाधान है।

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

संपादकीय

मुनाफे का जानलेवा खेल

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल,जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना,मुक्तसर,मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बोयोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं।

चिंतन-मनन

अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा।

सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। छह व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ पराप्रम नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरूषार्थी था।

उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ?सी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरूषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से ढकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था। राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरूषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक भुलावे हैं। उन भुलावों से साधक यदि अकर्मण्य बन साधना को भुला देता है तो साधना से भटक जाता है।

कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी पालन

संजय गोस्वामी

विश्व मधुमक्खी दिवस हर साल 20 मई को मनाया जाता है?इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैमधुमक्खी एक सामाजिक कीट का सबसे अच्छा उदाहरण है जो शहद इकट्ठा करती है और अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। यह कीट हाइमनोप्टेरा गण के एपिस परिवार के अंतर्गत आता है। भारत में मधुमक्खियों की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं, भारतीय मधुमक्खी (एपिस इंडिका), रॉक शहद मधुमक्खी (एपिस डोरसोटा) और छोटी शहद मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया)। एक विदेशी शहद मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) जिसे इटालियन या यूरोपीय शहद मधुमक्खी कहा जाता है, अब भारत में स्थापित हो गई है और इसका उपयोग व्यावसायिक मधुमक्खी पालन के लिए किया जा रहा है। मधुमक्खियों के प्रकार - मधुमक्खियों की उपरोक्त चार प्रजातियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है - (1) भारतीय शहद मधुमक्खी (एपिस सेराना इंडिका) - यह शहद मधुमक्खी पूरे भारत में पाई जाती है। यह पीले भूरे रंग की होती है। यह पुरानी इमारतों, जंगलों, पेड़ों की खोखली दीवारों, गुफाओं आदि जैसे अंधेरे स्थानों में 6-8 समानांतर छत्ते बनाती है। ये मधुमक्खियां स्वभाव से कोमल और शांत होती हैं और इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। मधुमक्खी पालक इन्हें प्राकृतिक घरों से पकड़ते हैं और मधुमक्खी के बक्सों में पालते हैं। यह एक उद्यमी मधुमक्खी है तथा अच्छी मात्रा में शहद एकत्रित करती है। औसतन प्रति वर्ष एक कॉलोनी से 2-3 किलोग्राम शहद प्राप्त होता है। (2) रॉक मधुमक्खी (एपिस डोरसाटा)- इस मधुमक्खी को भौंरा या भौंरा भी कहते हैं। यह सम्पूर्ण भारत में पाई जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊँचाई तक पाई जाती है। इसकी कॉलोनियाँ कम तापमान पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। ये मधुमक्खियाँ एक ही छत्ता बनाती हैं जो लगभग 1.5 से 2.1 मीटर चौड़ा तथा 0.6 से 1.2 मीटर लंबा होता है। इनका छत्ता आमतौर पर चट्टानों पर लटका होता है। ये मधुमक्खियाँ बहुत आक्रामक स्वभाव की होती हैं तथा परेशान करने पर मनुष्यों का पीछा कर उन पर हमला कर देती हैं। ये बड़ी मात्रा में शहद एकत्रित करती हैं। ये अपना काम सुबह जल्दी शुरू कर देती हैं। प्रति वर्ष एक छत्ते से 40 किलोग्राम तक शहद प्राप्त होता है। शहद आमतौर पर छत्ते के अगले भाग में मिलता है। (3) छोटी मधुमक्खी -एपिस फ्लोरिया) - यह मधुमक्खी पूरे देश में पाई जाती है लेकिन समुद्र तल से 335 मीटर की ऊंचाई पर बहुत कम पाई जाती है। यह बार-बार अपना स्थान बदलती रहती है तथा इसकी कॉलोनी एक छत्ते पर 5 महीने से अधिक नहीं रहती। यह मधुमक्खी एक छत्ता बनाती है जिसका आकार हथेली के बराबर होता है। यह अपना छत्ता शाखाओं, बाड़ों, पेड़ों, गुफाओं, घरों की चिमनियों, खाली बक्सों, लकड़ियों के ढेर आदि पर बनाती है। इसकी रानी सुनहरे भूरे रंग की होती है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित उद्योग है, जिसकी जानकारी बहुत सरल है। इसमें लागत कम, आमदनी अधिक तथा कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। गांवों में आर्थिक विकास के लिए मधुमक्खी पालन से अच्छा कोई घरेलू रोजगार नहीं है। जानकारी की सहजता के कारण कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब, भूमिहीन भी 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों की कम पूंजी से यह व्यवसाय शुरू कर 3 साल के भीतर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा मधुमक्खियां, मोम व शहद बेचकर सालाना लाखों रुपए कमा सकता है। चूंकि इस काम में ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती, इसलिए ग्रामीण महिलाएं और बच्चे अपने घरेलू कामों के साथ इसे आसानी से कर सकते हैं। चूंकि इसमें ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती, इसलिए बेरोजगार युवा भी इसे अपने रोजगार का जरिया बना सकते हैं। मधुमक्खी पालन से गांवों में मधुमक्खी के बक्से और अन्य उपकरण बनाने वाले छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के लिए यह एक बेहतरीन घरेलू उद्योग है। मधुमक्खियां सामाजिक कीट हैं, जिनके परिवार में एक मां मधुमक्खी या रानी मधुमक्खी होती है जो सिर्फ अंडे देती है, दूसरा सदस्य नर मधुमक्खी होता है जो सिर्फ गभार्धान की प्रक्रिया करता है। ये आकार में बड़ी, डंक रहित और पेट के आखिरी हिस्से पर घने बाल वाली होती हैं और काले रंग की होती हैं। तीसरा सदस्य श्रमिक मधुमक्खी होती है, जो संख्या में सबसे ज्यादा होती है। एक अच्छी मधुमक्खी कॉलोनी में इनकी संख्या 30000-500000 तक हो सकती है। ज्यादातर काम श्रमिक मधुमक्खियां ही करती हैं। अंडे से रानी को वयस्क बनने में 15-16 दिन, श्रमिक मधुमक्खी को 20-21 दिन और नर मधुमक्खी को 23-24 दिन लगते हैं। वयस्क होने के लगभग तीन सप्ताह की आयु तक श्रमिक मधुमक्खी घर के अन्दर के कार्य जैसे सफाई, रानी और बच्चों को खिलाना और सुरक्षा देना, छत्ते बनाना, शहद तैयार करना आदि करती है। अपना घर बनाने के लिए मधुमक्खी अपने उदर ग्रन्थियों से मोम बनाती है और अपने भोजन के लिए फूलों से रस और रस एकत्रित करती है। मधुमक्खी के सेल में दो भाग होते हैं, ब्रूड सेक्शन और शहद सेक्शन। ब्रूड सेक्शन में मधुमक्खी वंश का प्रजनन चलता है और शहद सेक्शन में शहद एकत्रित किया जाता है। ब्रूड सेक्शन में मूल वंश को रखा जाता है और आवश्यकतानुसार उसे ब्रूड चैम्बर में रखा जाता है और फ्रेम में मोमी अटैचमेंट लगाकर सुपर किया जाता है। इससे मधुमक्खी अपने स्वभाव के अनुसार छत्ते बनाती है। जब मधुमक्खियां छत्तों में शहद जमा कर देती है और लगभग तीन चौथाई सेल पर कैप लगा देती है तो शहद निकालने वाली मशीन से छत्तों को घुमाकर शहद निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न तो मधुमक्खियों के बच्चे मरते हैं और न ही छत्ता नष्ट होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

कांतिलाल मांडोत

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग।

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है।

गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं।

विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

इंसाफ के लिए ब्रिटेन पहुंचा हर्षिता ब्रेला का परिवार ;

लंदन, एजेंसी। दिल्ली की हर्षिता ब्रेला (24) के परिवार ने ब्रिटेन पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। नवंबर 2024 में हर्षिता का शव इल्फर्ड में एक कार की डिक्की में मिला था। पति और मुख्य आरोपी पंकज लांबा हत्या के बाद से ही फरार है। हर्षिता के पिता सतबीर सिंह, मां सुदेश कुमारी और बहन सोनिया डबास कोर्बी उसके घर पहुंचे, जहां उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। सोनिया ने कहा, वे हर कीमत पर न्याय चाहते हैं ताकि फिर किसी और बेटी के साथ ऐसी त्रासदी न हो।

चीन, अमेरिका और यूएई ने दुबई से 276 ठगों को किया गिरफ्तार

दुबई , एजेंसी। चीन, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दुबई में टेलीकॉम धोखाधड़ी के 276 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। तीनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला संयुक्त ऑपरेशन है। इस कार्रवाई में धोखाधड़ी के नौ अड्डों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह पीड़ितों को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के झांसे में रखकर ठगी करते थे।

श्रीलंकन एयरलाइंस के भारतीय कर्मी पर 2.2 करोड़ गबन का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने अपने चेन्नई कार्यालय में तैनात कुछ भारतीय कर्मचारियों पर 2.2 करोड़ भारतीय रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एयरलाइन ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह हेरफेर इनवॉइस, भुगतान विवरण और हस्ताक्षरों में जालसाजी के जरिये किया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, वित्त विभाग में कार्यरत इन कर्मचारियों ने एक लंबी अवधि में इस घोटाले को अंजाम दिया।

ताइवान की आजादी का मतलब है कि वह चीन का हिस्सा नहीं : लाई

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान की आजादी का अर्थ है कि यह द्वीप न तो बीजिंग का है और न ही उसके अधीन है। केवल ताइवानी लोग ही अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। लाई की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुए शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद आई हैं। इस शिखर सम्मेलन ने ताइवान में द्वीप को अमेरिकी समर्थन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की बॉलरूम परियोजना के प्रस्ताव पर अमेरिकी सीनेट से लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी की व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम परियोजना के लिए एक अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को तगड़ा झटका लगा है। सांसदों के फैसले के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था के लिए फंडिंग का यह प्रस्ताव प्रक्रियागत नियमों पर खरा नहीं उतरा है। रिपब्लिकन इसे अगले तीन वर्षों के लिए आव्रजन प्रवर्तन एजेंसियों को वित्तपोषित करने वाले एक बजट विधेयक के हिस्से के तौर पर शामिल करना चाहते थे। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईस्ट विंग के नवीनीकरण जैसी बड़ी और जटिल परियोजना का दायरा बेहद व्यापक होने से इसे बजट विधेयक में शामिल नहीं किया जा सकता है। दरअसल, इसका इस्तेमाल रिपब्लिकन बगैर डेमोक्रेट्स के समर्थन के विधेयक पास करने के लिए कर रहे थे, क्योंकि इस विधेयक को पारित करने के लिए किसी भी डेमोक्रेटिक वोट की जरूरत नहीं होती।

अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों को और उन्नत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एफ-35 लाइटनिंग 2 बेड़े के लिए लगभग एक अरब डॉलर का उन्नयन कार्यक्रम शुरू किया है। यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आधुनिकीकरण और संयुक्त स्ट्राइक फाइटर के अमेरिकी सेना और अन्य विदेशी ऑपरेटरों द्वारा संचालित सैकड़ों विमानों में उन्नत युद्ध क्षमता संवर्द्धन पर केंद्रित है। लॉकहीड मार्टिन को एफ-35 लड़ाकू विमानों के 432 संशोधन किटों के उत्पादन और वितरण के लिए 99.11 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इदाहो में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' पर चल रहे एक बड़े एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। हवा में टकराते ही दोनों जेट्स क्रैश हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमानों के परखच्चे उड़ गए और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। हालांकि विमान में सवार पायलटों के सुरक्षित होने की जानकारी है। हादसे के बाद पूरे एयर बेस को तुरंत बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। इस समय बेस पर 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' चल रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने वाले दोनों विमान अमेरिकी नौसेना के एडवांस्ड श्व-18त्त ग्रोवलर फाइटर जेट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों विमान एयर बेस से करीब दो मील दूर जाकर गिरे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

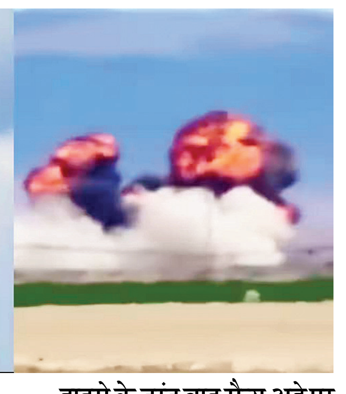

कैसे बचे पायलट : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा में टकराते ही दोनों विमान आग का गोला बन जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह रही कि विमानों में मौजूद चारों क्रू मेंबर्स समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें आसमान से पैराशूट के जरिए सुरक्षित नीचे उतरते देखा गया। अमेरिकी नौसेना ने भी बाद में पुष्टि की कि चारों क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

8 साल बाद हुआ था शो : रिपोर्ट्स की मानें तो इस भव्य एयर शो का आयोजन पूरे 8 साल बाद किया जा रहा था। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी थी। आयोजकों ने करीब दो साल तक इस शो की तैयारी की थी, लेकिन इस खौफनाक हादसे के बाद रविवार को होने वाले सभी आगामी इवेंट्स को रद्द कर दिया गया। वहीं अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पहले भी हुए हैं हादसे : माउंटेन होम एयर बेस पर पहले भी कई हादसे हुए हैं और इस घटना से उनकी यादें ताजा कर दी हैं। 2018 में यहां एक हैंग ग्लाइडर रनवे पर क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले 2003 में यहां एक 'थंडरबर्ड्स जेट' भी क्रैश हो गया था। हालांकि तब पायलट की जान बच गई थी।

हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए : इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई।

विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं : हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी।

हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया : इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए। आपको बता दें कि यह मिलिट्री एयर बेस इडाहो के बोइस शहर से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

'चीन भी होर्मुज जलडमरूमध्य खोलना चाहता है': ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत : पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार : ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

कराची , एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुईं; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया : भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं : भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया : चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अब तक चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने करीब 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इलाके में बिजली, पानी, गैस सप्लाई और परिवहन सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं।

रात में शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन : भूकंप के तुरंत बाद राहत और बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गईं. रात करीब 2 बजे तक 51 फायर और रेस्क्यू वाहनों के साथ 315 से ज्यादा आपातकर्मी प्रभावित इलाके में पहुंच चुके थे. पुलिस, दमकल और मेडिकल टीमें लगातार मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं. स्थानीय प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द नुकसान और हताहतों का सही आंकड़ा जुटाया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए. साथ ही आफ्टरशॉक्स पर भी नजर रखी जा रही है।

ईरान के खिलाफ फिर छिड़ेगी जंग? नेतन्याहू और ट्रंप के बीच संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर ईरान को लेकर बातचीत हुई। इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू होता है, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर हमला कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन सभी

मोर्चों पर चर्चा हुई, जहां इजरायल इस समय संघर्ष कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि 'ईरान के लिए समय तेजी से निकल रहा है। उन्हें जल्द फैसला लेना होगा, नहीं तो उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद करीब 40 दिनों तक संघर्ष चला। बाद में 8 अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता भी हुई थी। हालांकि, इन बातचीतों से कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों ने संघर्ष खत्म करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान भी किया है। इस बीच ट्रंप ने फिर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान अमेरिका के साथ शांति समझौता नहीं करता, तो उसे 'बहुत बुरे हालात' का सामना करना पड़ेगा। फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो उसके लिए बहुत मुश्किल समय आने वाला है। उन्हें जल्द कोई डील कर लेनी चाहिए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ तूफानी समुद्र के सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। तस्वीर पर लिखा था, 'तूफान से पहले का सन्नाटा।' इजरायली मीडिया के अनुसार, रविवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान को लेकर बातचीत हुई थी। उसी दौरान नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के साथ सुरक्षा बैठक भी कर रहे थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में; अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पीएचएसी ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है।

हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण

दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप : इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित एमवी होंडियस अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं। हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है।

तेल-एलपीजी के बाद अब इंटरनेट पर संकट? होर्मुज में किस नए हथियार के इस्तेमाल की तैयारी में ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के बाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन संकट पैदा हो गया है। सप्लाई चेन ठप होने की वजह से आयात पर निर्भर देशों में एलपीजी से लेकर पेट्रोल डीजल तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है। युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन स्र और ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब भी बंद पड़ा है। इस बीच ईरान अब एक ऐसे हथियार का इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कई देशों में इंटरनेट ठप पड़ सकता है। होर्मुज को ब्लॉक करने के बाद, ईरान ने हाल ही में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को हथियार बनाने की धमकी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे बिछी उन केबल्स को निशाना बना सकता है, जिनके जरिए खाड़ी देशों, एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर होता है। वहीं ईरान दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स पर 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है। ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े मीडिया और सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'हम इंटरनेट केबल्स पर शुल्क लगाएंगे।

क्या है ईरान का प्लान : इस प्लान के मुताबिक ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम फीस वसूलेगा। वहीं इन अंडरसी केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम विशेष रूप से केवल ईरानी कंपनियों को ही दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि अगर टेक कंपनियों ने ईरानी कानून को नहीं माना, तो इस रूट के इंटरनेट ट्रैफिक को ठप किया जा सकता है।

होर्मुज के नीचे इंटरनेट लाइफलाइन : जानकारी के मुताबिक इस समुद्री रास्ते के नीचे कई अहम केबल सिस्टम सक्रिय हैं।

एएई-1 (एशिया-अफ्रीका-यूरोप 1): यह नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया को मिस्र के रास्ते यूरोप से जोड़ता है।

फाल्कन नेटवर्क: यह भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों, सूडान और मिस्र से जोड़ता है।

गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल: यह पूरे खाड़ी क्षेत्र को आपस में जोड़ता है।

क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं ये सबसी केबल्स : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन' के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी इंटरनेशनल इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों की डिजिटल लाइफलाइन हैं, जिन्होंने हाल के सालों मेंढ्ढ और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर का निवेश किया है। जियो पोलिटिकल विश्लेषक माशा कोटकिन के मुताबिक, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट की स्पीड कम हो सकती है, ऑनलाइन बैंकिंग ठप हो जाएगी और वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि केबल्स का फिलहाल कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। टेलीकॉम रिसर्च फर्म 'टेलीग्राफी' के अनुसार, सैटेलाइट्स कभी भी सबसी केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। एलन मस्क के 'स्टारलिंक' जैसे नेटवर्क एक सीमित समाधान तो हो सकते हैं, लेकिन करोड़ों यूजर्स का ट्रैफिक संभालना इनके बस की बात नहीं है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भीषण जंग छिड़ गई थी। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर जरूर हुआ लेकिन स्थिति अब भी नहीं संभली है।

गर्मियों में पहने ये फुटवियर

गर्मियों के मौसम में पैरों की देखभाल जरूरी है। स्टाइलिश होने के साथ ही सही फुटवियर पैरों के लिए बहुत जरूरी है। मेन्सवेयर लेदर शू ब्रांड के एगॉस की चीफ एक्सपीरियंस ऑफिसर कनिका भाटिया और मोटेलो डोमानी गर्मियों में पैरों की देखभाल के कुछ टिप्स बता रहे हैं जिससे गर्मियों में भी आपके पैर दिख सकते हैं खूबसूरत।

- चमड़े से बने फुटवियर गर्मियों में पैरों के लिए ठीक रहते हैं। इससे पैरों से बदबू आने और इंफेक्शन होने की संभावना कम रहती है।
- एथलेटिक सैंडल और लोफर्स गर्मियों में सबसे ज्यादा उपयुक्त होते हैं क्योंकि इनके पहनने पर हल्का महसूस होता हैं।
- हल्के फ्लिप फ्लॉप स्लीपर गर्मियों में पहनने के लिए बेहतर होते हैं। फ्लिप फ्लॉप पहनने पर पैरों में होने वाले दर्द से बचने के लिए अच्छे सपोर्ट वाला फ्लिप फ्लॉप ही पहनें।
- इस मौसम में कई लोग एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन होते हैं, ऐसे में उनके लिए एथलेटिक सैंडल उपयुक्त रहेंगे।
- गर्मियों में स्टाइलिश दिखने के लिए आप क्लासिक ब्रोग्स (मोटे चमड़े वाला जूता) या ऑक्सफोर्ड जूते चुन सकते हैं। यह एक बेहतर विकल्प है।
- लोफर्स गर्मियों में एक कूल लुक देते हैं, जिसे दोनों कैजुअल और फॉर्मल कपड़ों के साथ इस मौसम में पहना जा सकता है।
- स्नीकर्स और एथलेटिक जूते इस मौसम के लिए जरूरी माने जाने लगे हैं। युवाओं के लिए रॉयल ब्लू रंग के स्नीकर्स बेहतर विकल्प हैं।

दमा के मरीज हैं तो खाने में शामिल करें यह आहार

भोजन न सिर्फ आपका पेट भरने का काम करता है, बल्कि यह आपको स्वस्थ बनाने में भी काफी मददगार होता हैं। अगर आप अपनी हेल्थ कंडीशन के हिसाब से आहार का चयन करते हैं तो आप बेहद आसानी से अपनी बहुत सी समस्याओं से बच सकते हैं। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी समस्या से राहत दिलाने में काफी मददगार होते हैं-

ऐसे लोगों को विटामिन सी से भरपूर फूड को अपने आहार में शामिल करना चाहिए। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं और यह एंटीऑक्सीडेंट सांस लेते समय बॉडी के अन्य अंगों को ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं और श्वसन संबंधी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। वहीं ओमेगा 3 फैटी एसिड भी फेफड़ों के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। यह फेफड़ों में होने वाली जलन, टिश्युओं को होने वाले नुकसान, सांस की तकलीफ और घरघराहट के लक्षणों से निजात दिलाता है। इसलिए आप ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे मछली व ड्राई फ्रूट्स जैसे अखरोट और अलसी को अपनी डाइट में विशेष जगह दें।

सफेद बालें से यूं पाएं निजात

शरीर के अंदर मेलेनिन की कमी होने से आपकी अल्पायु में ही केश और दाढ़ी स्वेत/सफेद हो जाते है। इस दौर में यह प्रॉब्लम बहुत से लोगों को हो रही ही। इसका सबसे बड़ा कारण है कि मनुष्य का ज्यादा चिंता में रहना और मानसिक तनाव व बहुत ज्यादा सोचना। धूम्रपान भी इसका कारण हो सकता है। इनके अलावा खान पान भी इससे संबंध रखता है। आज आप जानेंगे कि कैसे काम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या से निजात पाएं वो भी घरेलू उपाय से। इस उपाय के इस्तेमाल से यह समस्या धीरे धीरे समाप्त हो जाएगी।

प्रोटीन का कम होना भी बाल जल्दी पकने का कारण है। आंवला में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और इसके अंदर और भी पोषक तत्व होते है।

इसके इस्तेमाल के लिए आप एक गिलास गुनगुने पानी के अंदर एक चम्मच भरके आंवला का पाउडर डाल दें और इन्हें अच्छी प्रकार से मिला लें। फिर इसको आप प्रातः और शाम भोजन के पश्चात सेवन करें।

अगर आपको अच्छा लगे तो एक दही के साथ भी आंवला का एक पाउडर मिलाके इसका पेस्ट बना लें। और फिर पेस्ट को आप प्रातः अपनी दाढ़ी पे लगाएं और तकरीबन एक घंटा यूं ही लगा रहने दें। फिर बाद में गुनगुने पानी के इस्तेमाल से धो दीजिये। आप इस उपाय का इस्तेमाल सप्ताह में 4 दिन जरूर करें।

रेसिपी

कटहल के कबाब

सामग्री

▪ कटहल-1/2 किलो (उबला और मैश किया) ▪ प्याज-3 (बारीक कटा) ▪ टमाटर-1 (बारीक कटा) ▪ बेसन-100 ग्राम ▪ नींबू का रस-3 छोटे टीस्पून ▪ जीरा पाउडर-2 छोटे टीस्पून ▪ धनिया पाउडर- 2 छोटे टीस्पून ▪ अदरक-लहसुन का पेस्ट-2 छोटे टीस्पून ▪ जीरा-1 छोटा टीस्पून ▪ गरम मसाला पाउडर-1 छोटा टीस्पून ▪ तेल-आवश्यकतानुसार ▪ नमक-स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले कढ़ाही में दो चम्मच तेल डाल कर गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें। जब जीरा चटकने तब इसमें प्याज डालकर गोल्डन होने तक फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें टमाटर और नमक डाल कर टमाटर के नरम होने तक भून लें। इसके बाद इसमें अदरक- लहसुन का पेस्ट और सूखे मसालें डालकर धीमी आंच पर दो मिनट तक भून लें। फिर इसमें बेसन डालें और धीमी आंच पर लगभग 10 मिनट तक भून लें। फिर इसमें मैश किया हुआ कटहल और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स करके एक मिनट तक पका कर गैस बंद कर दें। जब मिक्सचर ठंडा हो जाए तब इसे फिर से हाथों से अच्छी तरह से मिक्स कर लें और उसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर मनचाहा शेप दे दें। उसके बाद कढ़ाही में तेल गर्म करें और सभी बॉल्स को तेल में डीप फाई कर लें। इन्हें सर्विंग प्लेट में निकालें और मनपसंद चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

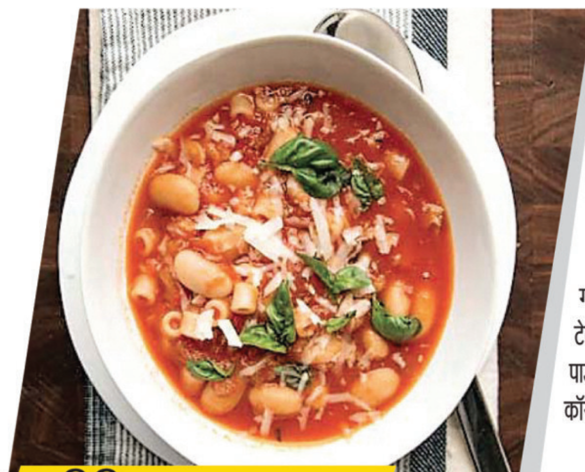

सूपी पास्ता

सामग्री

▪ पास्ता- 1 कटोरी उबला हुआ ▪ प्याज- 1 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ▪ टमाटर - 1 बारीक कटा हुआ ▪ गाजर- 1/4 कप ▪ शिमला मिर्च- 1 चौथाई कप ▪ मशरूम- 2 बारीक कटी ▪ पत्ता गोभी- 1/2 कप ▪ पास्ता पिजा सॉस-2 टेबलस्पून ▪ हरा धनिया बारीक कटा ▪ काली मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून ▪ नमक- स्वादानुसार ▪ कॉर्न फ्लोर- 1 टेबलस्पून ▪ बटर- 2 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें लहसुन डालकर 30 सेकंड तक भूनें फिर इसमें प्याज डालकर एक मिनट चलाते हुए फ्राई कर लें। गोल्डेन ब्राउन होने पर सारी सब्जियों को पैन में चलाते हुए मीडियम आंच पर पकाएं। थोड़ा सा नमक और तकरीबन 1/2 लीटर पानी डाल दें। अब इसमें पिज्जा सॉस डालें। पानी में अच्छी तरह मिक्स हो जाने के बाद इसमें उबला हुआ पास्ता डालकर अच्छे से मिला लें। 2-3 मिनट उबलने के बाद इसमें काली मिर्च पाउडर डाल दें। कॉर्न फ्लोर मे पानी डालकर इसका घोल बनाएं और इस घोल को पास्ते में डालकर मिलाएं। मीडियम आंच पर 2 मिनट और पकाएं। तैयार है आपका टेस्टी सूपी पास्ता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- 'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

काकुरो पहेली - 4059

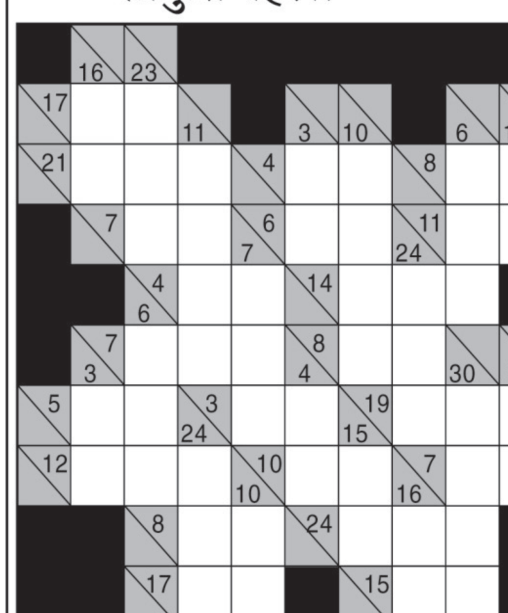

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

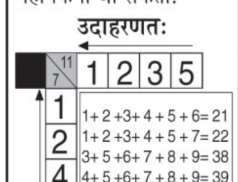

काकुरो - 4058 का हल

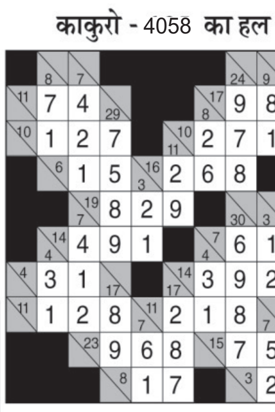

फिल्म वर्ग पहेली- 4059

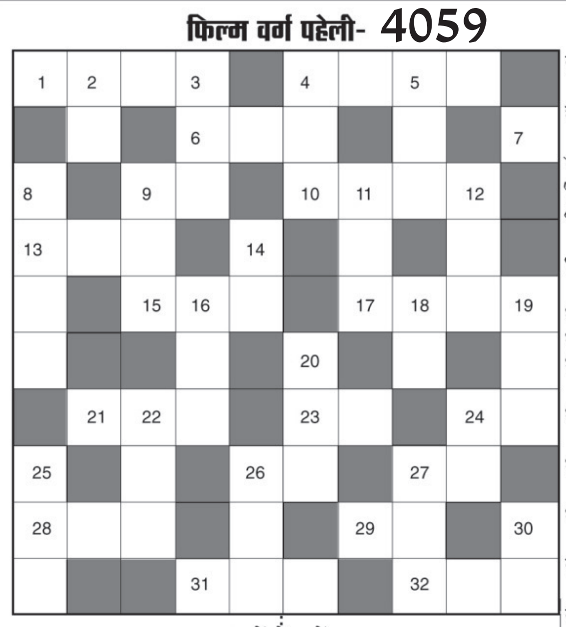

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

सूडोकु -4059

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4058 । हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली -4059

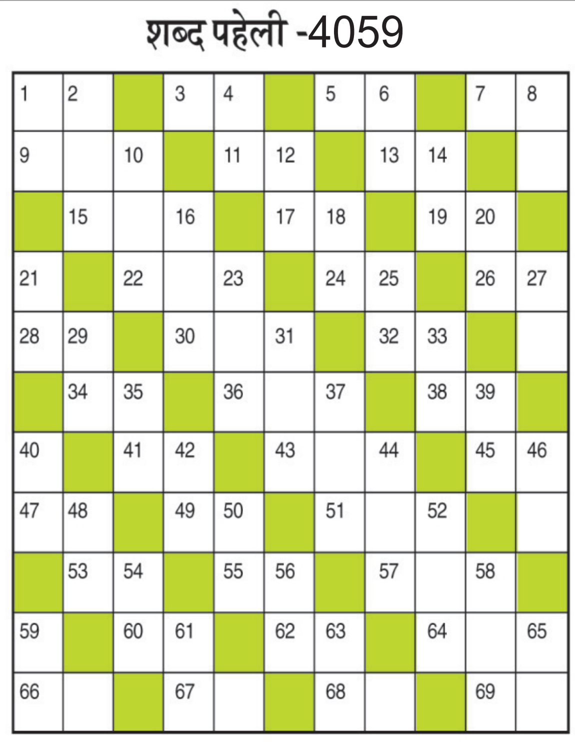

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4058 का हल

पालघर सड़क दुर्घटना पर राष्ट्रपति ने जताया दुख

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहन शोक संवेदना व्यक्त की और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सगाई समारोह में जा रहे लोगों से भरे एक टेम्पो की टक्कर एक तेज़ रफ़्तार कंटेनर ट्रेलर से हो गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

हिंद महासागर का जहाज सागर कोलंबो बंदरगाह पर तीन दिन ठहरने के बाद भारत रवाना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का हिंद महासागर पोत (आईओएस) सागर तीन दिवसीय सफल बंदरगाह यात्रा के बाद कोलंबो से रवाना हुआ। इस यात्रा से भारत और श्रीलंका के बीच स्थायी समुद्री साझेदारी को और मजबूती मिली। साथ ही भारत के पारस्परिक और समग्र क्षेत्रीय विकास के विजन को आगे बढ़ाया गया। आईओएस सागर इस समय कोच्चि के रास्ते में है और हिंद महासागर क्षेत्र में साझेदार देशों के बीच समुद्री सहयोग और मित्रता बढ़ावा देने का मिशन जारी रखे है। इस यात्रा के दौरान आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर ने श्रीलंका नौसेना के वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात की और समुद्री सहयोग बढ़ाने, क्षेत्रीय सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षित समुद्री मार्गों को सुनिश्चित करने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर केंद्रित चर्चा की। आईओएस सागर पर स्वागत समारोह ने नौसैनिक कर्मियों और विशिष्ट अतिथियों के बीच राजनयिक जुड़ाव और पेशेवर संबंधों को मजबूत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने जहाज के चालक दल के बहुराष्ट्रीय स्वरूप को उजागर किया और तैनाती में निहित क्षेत्रीय सहयोग की भावना को रेखांकित किया। आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में आईओएस सागर ने श्रीलंका नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय स्कूली बच्चों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों का जहाज पर स्वागत किया।

खगड़िया: एनएच-31 पर ट्रक-ऑटो की टक्कर में 6 लोगों की मौत, 5 अन्य घायल

खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-31 पर हुए एक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अब तक एक मृतक की पहचान श्वाति कुमारी के रूप में हुई है, जो सुबोध कुमार की पुत्री थीं और पसराहा थाना क्षेत्र की निवासी थीं। बाकी पांच मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। घायलों में समस्तीपुर जिले के 30 वर्षीय रंजीत पासवान, गोगरी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव की रेहमतुन खातून, पूर्णिया जिले के दिवाकर कुमार, झंझरा गांव के प्रीतम कुमार, भरतखंड गांव के शिक्षक सुमन कुमार, मुंगेर जिले के हरिनामर गांव की अनीता देवी तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह हादसा ठठा गांव के पास उस समय हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक दो माह के नवजात, एक महिला और एक बालक की मौत ने स्थानीय लोगों को गहरे शोक में डाल दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार का माहौल बन गया।

दो जोनल कृषि कॉन्फ्रेंस अब वर्चुअल मोड में, 20 प्रतिशत कर्मचारी करेंगे घर से काम: शिवराज सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को प्रशासनिक अमल का रूप देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कई बड़े फैसले किए। कृषि भवन में आयोजित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में एक तरफ बचत, ईंधन-संरक्षण, बिजली नियंत्रण, वर्चुअल कार्यप्रणाली और सरकारी खर्च घटाने के उपाय तय किए गए, दूसरी तरफ अधिकारियों ने एक वर्ष तक विशेष पारिवारिक परिस्थितियों को छोड़कर सोना नहीं खरीदने का भी सामूहिक संकल्प लिया। प्रशासनिक स्तर पर बैठक में तय किया गया कि गुवाहाटी और विशाखापट्टनम में आगामी दिनों में होने वाली दो जोनल कॉन्फ्रेंस अब फिजिकल मोड में नहीं होंगी बल्कि वर्चुअल मोड में आयोजित की जाएंगी। इससे यात्रा, आवास, स्थल, लॉजिस्टिक्स और अन्य संबंधित खर्चों में कमी आएगी जबकि राज्यों और हितधारकों के साथ संवाद और समीक्षा की प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। कार्यालयों में बिजली संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई है।

रांची में बिरसा मुंडा पर 10 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का शुभारंभ

नई दिल्ली। झारखंड की कला और गौरवशाली इतिहास को समेटे बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित 10 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का रांची में उद्घाटन किया गया। यह कार्यशाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के दिल्ली के क्षेत्रीय केंद्र और डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। आईजीएनसीए के अनुसार कार्यशाला का उद्घाटन मोराबादी स्थित संस्थान के सभागार में हुआ। 27 मई तक चलने वाले इस आयोजन में देश के विभिन्न कलाकार भगवान बिरसा मुंडा के जीवन प्रसंगों को चित्रों के माध्यम से उकेरेंगे।

गंगा में इफ्तार पार्टी करने वाले 6 और युवकों को मिली जमानत, कोर्ट ने कहा- आरोपियों ने मांगी माफी

एजेंसी
प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वाराणसी में पवित्र गंगा नदी में इफ्तार के दौरान मांस खाने के बाद हड्डियां व कचरा नदी में फेंकने वाले छह अन्य आरोपितों दानिश सैफी, नूर इस्लाम, आमिर कैफ़ी, महफूज आलम, मोहम्मद अहमद एवं मोहम्मद अव्वल की भी जमानत मंजूर कर ली है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ल ने दिया है। इससे पहले 15 मई को इसी पीठ ने पांच और न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की पीठ ने तीन आरोपितों की जमानत मंजूर की थी। कोर्ट ने कहा था कि आरोपितों ने अपने कृत्यों के लिए माफी मांगी है। न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ल की पीठ ने यह भी कहा था कि गंगा सिर्फ हिंदुओं की ही नहीं बल्कि पूरे देश की आस्था की प्रतीक हैं। कोर्ट ने कहा, आरोपितों के हलफनामे के पैरा 14 में किए गए कथन दर्शाते हैं कि वे अपने

कृत्यों के लिए खेद व्यक्त कर रहे हैं और उनके परिवारों को भी समाज को हुई पीड़ा पर खेद है।अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी की इस आशंका पर कि इफ्तार पार्टी का आयोजन, वीडियो का अपलोड होना और धार्मिक विद्वेष पैदा करने के लिए उसका इस्तेमाल बड़ी साजिश का हिस्सा है, कोर्ट ने कहा कि आरोपितों को जेल में आगे हिरासत में रखे बिना भी जांच जारी रह सकती है। गत 17 मार्च से जेल में बंद आरोपितों ने खेद व्यक्त किया है और भविष्य में ऐसा कोई कृत्य न करने का वचन भी दिया है। मामले के तथ्यों व परिस्थितियों, आरोपितों की आपराधिक पृष्ठभूमि न होने, पहले से भुगती गई हिरासत की अवधि और उनके द्वारा मांगी गई माफी को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया जमानत का मामला बनता है। अभियोजन कथानक यह है कि वाराणसी के कोतवाली थाने में 16 मार्च को भाजुयमो अध्यक्ष रजत जायसवाल ने इस घटना को लेकर एफआइआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि 15 मार्च को गंगा में नाव पर इफ्तार करने वाले लोगों ने मांस खाकर कचरा नदी में फेंक दिया। आरोपितों के कृत्य से समुदाय विशेष की भावनाएं आहत हुईं। इसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ पूजा स्थल को अपवित्र करने, धार्मिक भावनाएं आहत करने व वसूली से संबंधित धाराएं लगाई गईं।

न्यायाधीश जांच समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी अपनी रिपोर्ट

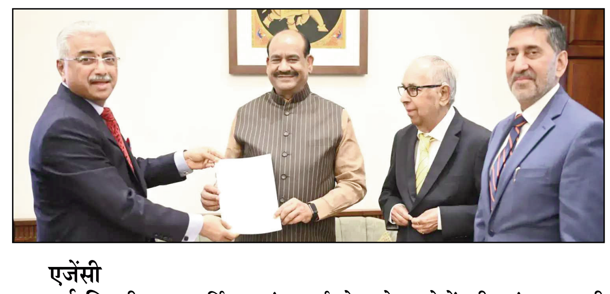

एजेंसी
नई दिल्ली। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़े आरोपों की जांच कर रही न्यायाधीश जांच समिति ने संसद भवन में लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी रिपोर्ट सौंपी। लोकसभा सचिवालय के अनुसार न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन में प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट को यथासमय संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा जाएगा। इस समिति का गठन 12 अगस्त को लोक सभा अध्यक्ष ने किया था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। इसके बाद उनका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण कर दिया गया था। संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरु हुई थी। इसी बीच 10 अप्रैल को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

कोलकाता में कुख्यात 'सोना पप्पू' गिरफ्तार, नौ घंटे की पूछताछ के बाद ईडी की कार्रवाई

एजेंसी
कोलकाता। कोलकाता के कस्बा इलाके के कुख्यात अपराधी विश्वजीत पोद्दार उर्फ 'सोना पप्पू' को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रात गिरफ्तार कर लिया। वित्तीय धोखाधड़ी और कथित वसूली मामले में लंबी पूछताछ के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह कार्रवाई की। चुनाव से पहले से ही विभिन्न विवादों और आरोपों को लेकर वह लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। सोना पप्पू सुबह साल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय पहुंचे थे। वहां करीब नौ घंटे तक उनसे पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष फरवरी में रवींद्र सरोवर थाना क्षेत्र में हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटना में भी विश्वजीत पोद्दार का नाम सामने आया था। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि घटना के पीछे उन्हीं का हाथ था और उनके सहयोगियों ने इलाके में उपद्रव मचाया था। हालांकि उस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई थी, लेकिन पुलिस लंबे समय तक सोना पाप्पू तक नहीं पहुंच सकी थी। इस दौरान उन्होंने कई बार सोशल मीडिया पर लाइव आकर दावा किया था कि उनका किसी भी हिंसक घटना से कोई संबंध नहीं है। मामले की जांच के दौरान ईडी ने अचानक उनके

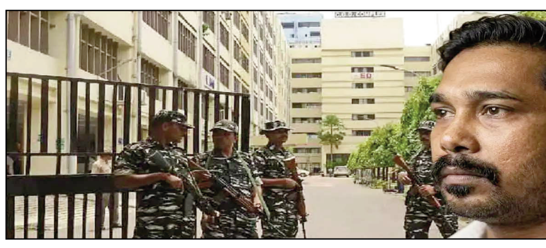

आवास पर छापेमारी की थी। इसी अभियान में कारोबारी जय कामदार के घर पर भी तलाशी ली गई थी। जांच एजेंसी ने कार्रवाई के दौरान नकदी, एक महंगी कार और कई संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी सूत्रों के अनुसार सोना पप्पू के घर से एक विदेशी पिस्तौल भी बरामद हुई थी। आरोप है कि यह हथियार कारोबारी जय कामदार के माध्यम से खरीदा गया था। बाद में पिस्तौल को गड़ियाहाट थाने में जमा कराया गया। ईडी ने दावा किया है कि सोना पप्पू के खिलाफ वसूली, धमकी, अवैध दबाव बनाने और शस्त्र कानून उल्लंघन समेत कई प्राथमिकी दर्ज हैं। इन्हीं मामलों के आधार पर एजेंसी ने व्यापक जांच शुरू की थी। इस मामले में बेहाला के कारोबारी जय कामदार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी जांच के सिलसिले में पिछले महीने फर्न रोड स्थित कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के घर पर भी ईडी ने छापेमारी की थी। बाद में उन्हें पूछताछ के लिए तलब किया गया और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ हत्याकांड में एक आरोपित हिरासत में, सीबीआई की उत्तर प्रदेश में कार्रवाई

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक संदिग्ध आरोपित को हिरासत में लिया है। उत्तर प्रदेश के एक टोल प्लाजा से आरोपित को पकड़ा गया। जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार आरोपित दिल्ली के रास्ते कहीं और फरार होने की योजना बना रहा था।

सीबीआई सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए आरोपित का नाम राजकुमार सिंह है, जो उत्तर प्रदेश के बलिया जिले का निवासी है। रविवार को उत्तर प्रदेश पुलिस और सीबीआई की संयुक्त टीम ने दिल्ली के स्वरूपनगर इलाके में एक मकान पर छापेमारी भी की थी, लेकिन उस समय आरोपित हाथ नहीं आया था। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद, छह मई की रात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम इलाके में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह कार में चालक के बगल वाली सीट पर बैठे थे। हमलावर बाइक पर सवार होकर आए और अंधाधुंध गोलीबारी कर मौके

से फरार हो गए। घटना में चालक भी घायल हुआ था। स्थानीय लोगों की मदद से चंद्रनाथ रथ और चालक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय राज्य में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील था और बाद में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस हत्याकांड की जांच के लिए राज्य पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया था। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश से दो लोगों और बिहार के बक्सर से एक कथित शार्प शूटर को गिरफ्तार किया गया था। रविवार को चंद्रनाथ रथ के श्राद्ध कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने मृतक की मां हासिरानी रथ को आश्वासन दिया कि हत्या के आरोपितों को सजा जरूर मिलेगी। हासिरानी रथ ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री और सीबीआई जांच पर पूरा भरोसा है तथा उम्मीद है कि बेटे को न्याय मिलेगा।

अमित शाह ने नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए मप्र के पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ स्थित बस्तर के बादल अकादमी में आयोजित 'उजर बस्तर' कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, मप्र पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और हॉक फोर्स के अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

मध्य प्रदेश पुलिस को यह सम्मान बालाघाट एवं छत्तीसगढ़ सीमा से लगे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सफल एंटी नक्सल ऑपरेशन्स, प्रभावी अंतरराज्यीय समन्वय, मजबूत खुफिया नेटवर्क, दुर्गम क्षेत्रों में सतत अभियान संचालन तथा सुरक्षा एवं विकास आधारित पुलिसिंग मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रदान किया गया। सम्मानित अधिकारियों में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा, विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं तत्कालीन आईजी बालाघाट ज़ोन संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली एवं

तत्कालीन कमांडेंट हॉक फोर्स बालाघाट शियाज़ के. एम., पुलिस उपायुक्त भोपाल एवं तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एंटी नक्सल ऑपरेशन बालाघाट आदर्श कांत शुक्लाशामिल रहे।इसके साथ ही हॉक फोर्स के निरीक्षक राम पदम शर्मा, निरीक्षक अतुल शुक्ला, निरीक्षक राजेश धुर्वे तथा सहायक उप निरीक्षक ब्रजेश राजावत को भी उनके साहस, समर्पण एवं सफल ऑपरेशनल भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। मप्र पुलिस की हॉक फोर्स एवं एंटी नक्सल ऑपरेशन इकाइयों ने विगत वर्षों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रणनीतिक एवं साहसिक अभियान संचालित किए हैं। इन अभियानों के दौरान नक्सली गतिविधियों एवं उनके नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया गया, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त ऑपरेशन संचालित किए गए। जिससे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र पुलिस के बीच समन्वित कार्रवाई को नई मजबूती मिली।

आधुनिक तकनीक, सटीक इंटेलिजेंस एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में निरंतर ऑपरेशन के माध्यम से हॉक फोर्स ने नक्सली संगठनों की गतिविधियों, मूवमेंट एवं लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन अभियानों के परिणामस्वरूप नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई तथा स्थानीय नागरिकों में विश्वास एवं विकास का वातावरण स्थापित हुआ।

इबोला पर केन्द्र सरकार सतर्क, लोगों से न घबराने की अपील

एजेंसी
नई दिल्ली। मध्य अफ्रीका में इबोला की स्थिति को देखते हुए केन्द्र सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक कर निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय की स्थिति पर नजर है और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय मजबूत किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य अफ्रीका के कुछ हिस्सों-विशेषकर डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में इबोला वायरस रोग के प्रकोप बंडीबुग्यो वायरस स्ट्रेन से जुड़ा बताया गया है, जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया है। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई और एहतियाती सार्वजनिक स्वास्थ्य कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि भारत में अभी तक इबोला का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है और देश इसके फैलने का खतरा बेद कम है। हालांकि एहतियात के तौर पर प्रवेश बिंदुओं (एंट्री पॉइंट्स) और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में निगरानी और तैयारी को और मजबूत किया जा रहा है। स्क्रीनिंग, निगरानी, क्वारंटीन और केस प्रबंधन के लिएएसओपीकी समीक्षा की समीक्षा की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि देश की सभी प्रयोगशाला की तैयारियों की समीक्षा की गई। पुणे स्थित एनआईवी को प्रमुख परीक्षण केंद्र के रूप में नामित किया गया। साथ ही अन्य लैब्स को चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जा रहा है।

भारत की प्रगति सामूहिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर करती है निर्भर : ओम बिरला

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत, समानता, समावेशिता, सहयोग और सामूहिक भागीदारी, आधुनिक युग में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेन ने सामाजिक समरसता और साझा उत्तरदायित्व पर आधारित शासन व्यवस्था का मॉडल स्थापित किया था, जो आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। ओम बिरला ने ये विचार नई दिल्ली स्थित होटल ली मेरिडियन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बिरला ने अपने संबोधन से पहले अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल और कोषाध्यक्ष नत्थू राम जैन सहित अन्य पदाधिकारियों का शपथ दिलाई। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी बालक आनंद गिरि महाराज भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति सामूहिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर निर्भर करती है, जो स्वदेशी और समावेशी विकास की भावना को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने उल्लेख किया कि अग्रवाल समाज ने

ऐतिहासिक रूप से इसी दृष्टि और विचारधारा के साथ कार्य किया है तथा समाज के विकास और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बिरला ने आगे कहा कि जब भी राष्ट्र या समाज किसी संकट से गुज़रा, अग्रवाल समाज के सदस्य सदैव सहायता के लिए आगे आए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि समाज कल्याण हेतु धन और संसाधनों को समर्पित करने की परंपरा इस समुदाय के मूल मूल्यों में गहराई से समाहित है। बिरला ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका तथा स्वतंत्रता के बाद उद्योग, व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देशभर में स्थापित विद्यालय, महाविद्यालय, अस्पताल और धर्मशालाएं समाज की निस्वार्थ सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के स्थायी प्रतीक हैं। सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को संरक्षित रखने के महत्व पर बल देते हुए बिरला ने कहा कि आज अग्रवाल समाज को जो सम्मान प्राप्त है, वह पीढ़ियों के त्याग, समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से इन मूल्यों को बनाए रखने और समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। बिरला ने सामाजिक परिवर्तन, गतिशील नेतृत्व और अधिक सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनात्मक इकाइयां भले ही अलग-अलग तरीकों से कार्य करें, लेकिन समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के व्यापक उद्देश्य में सभी को एकजुट रहना चाहिए। नव-नियुक्त पदाधिकारियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने आशा जताई कि वे अग्रवाल सम्मेलन के माध्यम से महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और दृष्टि को आगे बढ़ाते रहेंगे तथा गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

नमाज पढ़नी है तो शिफ्ट में पढ़िए, लेकिन सड़क पर नहीं: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं दी सकती। आपको सिस्टम के साथ रहना है, तो नियम-कानून मानना शुरू करें। नमाज पढ़नी है तो शिफ्ट में पढ़िए, हम रोकेंगे नहीं।मुख्यमंत्री योगी यहां एक हिन्दी दैनिक अखबार के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपना संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि लोग पूछते हैं कि आपके यहां यूपी में क्या सड़कों पर सचमुच नमाज नहीं होती? मैं कहता हूं कि कतई नहीं होती है। आप जाकर देख लो, नहीं होती है। सड़कें चलने के लिए हैं या कोई भी व्यक्ति चौराहे पर आकर तमाशा बना देगा? क्या अधिकार है उसको सड़क रोकने का, आवागमन बाधित करने का? जहां इसका स्थल है, वहां जाकर पढ़ो। योगी ने कहा कि लोगों ने मुझसे कहा, कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है? हमने कहा, शिफ्ट में कर लो। घर में रहने की जगह नहीं है, तो संख्या नियंत्रित कर लो और सामर्थ्य नहीं है तो क्यों संख्या बढ़ाए जा रहे? आपको सिस्टम के साथ रहना है, तो नियम-कानून मानना शुरू करें। नमाज पढ़नी है, आप शिफ्ट में पढ़िए। हम रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं। सामान्य नागरिक, बीमार व्यक्ति, कामगार, कर्मचारी सभी सड़कों पर चलते हैं, हम सड़क बाधित नहीं करने देंगे। प्यार से मानेंगे तो ठीक बात है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। संवाद से मानेंगे तो ठीक नहीं तो संघर्ष से भी देख लें। बरेली में लोगों ने हाथ आजमाने का कार्य किया, देख ली सरकार की ताकत। सरकार हर सिस्टम के साथ पूरी व्यवस्था को जोड़ना चाहती है।उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में यह राज्य कट्टा-बम, दंगे और माफिया संस्कृति के लिए जाना जाता था, जबकि आज यूपी की पहचान ब्रह्मोस मिसाइल, डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे, इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स और निवेश डेस्टिनेशन के रूप में है। कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और सकारात्मक शासन की बदौलत प्रदेश बॉटम-2 से निकलकर टॉप-2 राज्यों में पहुंचा है। राज्य में अराजकता व अव्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस है। राह चलती बेटी से छेड़खानी करने वाले की रावण व दुर्योधन जैसी दुर्गति होगी।

मौजूदा दौर की पत्रकारिता पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सनसनी व फेक न्यूज समाज में अराजकता फैलाती हैं, जबकि सकारात्मक और संवेदनशील पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिंदी पत्रकारिता को नई ऊंचाई दी थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की लेखनी ने आजादी को नई दिशा दी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पत्रकारिता को आंदोलन का आधार बनाया। कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी ने पत्रकारिता को देश की स्वाधीनता और सामाजिक न्याय का आधार बनाने का कार्य किया। 1975 में जब लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास हुआ, तब मूर्धन्य संपादकों व रिपोर्टरों ने इसे नाकाम कर दिया। लोकतंत्र में केवल विधायिका, न्यायपालिका या कार्यपालिका ही नहीं, मीडिया की भी सशक्त भूमिका है। आज डीप-फेक या फेक-न्यूज का खतरा हर जगह मंडरा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिपोर्टिंग को सनसनी पैदा करने का आधार बनाने की बजाय संवेदनशील बनाया जाता तो बहुत सारी जगहों पर लॉ एंड ऑर्डर की समस्या नहीं खड़ी होती। सनसनी फैलाने वाली न्यूज से रिपोर्टर, समाचार पत्र या मीडिया ग्रुप को तात्कालिक लाभ हो सकता है, लेकिन जब वही न्यूज फेक निकलती है तो कठघरे में भी खड़ा होना पड़ता है। हम लोग उसके लिए अलर्ट भी रहते हैं। क्योंकि किसी गलत खबर से एक बार आग लग गई तो फिर उसे बुझाने में समय लगता है।

पालघर में तीन वाहनों की टक्कर में 13 लोगों की मौत, 25 घायल

एजेंसी
मुंबई। पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर धानीवरी गांव के पास सोमवार शाम करीब चार बजे तीन वाहनों की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में घायल 25 लोगों का इलाज कांसा उप जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की छानबीन कांसा पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस घटना में 13 लोगों की मौत हुई है। फडणवीस ने इस दुखद घटना में मृतक परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों को सरकार की ओर 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख ने बताया कि धनिवारी में हुए तीन गाड़ियों के हादसे में अबतक 13 लोगों की मौत हुई है और पच्चीस लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इन सबका इलाज जारी है और

मामले की आगे की कार्रवाई कांसा पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज शाम पालघर के दहाणू से करीब 100 से ज्यादा लोग शादी के कार्यक्रम में जा रहे थे। ट्रक जैसे ही धानीवरी इलाके में पहुंचा, सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा कर एक अन्य टेंपो से टकरा गया। इसके बाद अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया, जिससे ट्रक में सवार 12 लोगों की दुखद मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही कांसा पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और इस घटना 25 लोगों को तत्काल कांसा जिला उप अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इन सभी का इलाज जारी है। इस घटना में मृतकों और घायलों की पहचान का काम जारी है। इस घटना की जानकारी मिलते ही सांसद हेमंत सावरा ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि हादसे में घायलों को हर संभव मदद दी जाएगी।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तान में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणाम पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ना चाहेंगे। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का

प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं। कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये है और वह अंकतालिका में आठवें नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदाई हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रैना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान, रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के इस खुलासे ने करोड़ों सीएसके प्रशंसकों में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक और सत्र के लिए खेलते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि धोनी ने खुद इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रेस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी बहु-प्रारूपीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या, दोनों ही वनडे अंतरराष्ट्रीय (ओडी) टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी उपलब्धता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगी। केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत को विकेटकीपर की विशेष भूमिका सौंपी गई है।

हर्ष दुबे (विदर्भ) और गुरनूर बराड़ (पंजाब) को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है और दोनों ही पूरी श्रृंखला में खेलेंगे। मानव सुथार को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं, रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों ने नजरअंदाज कर दिया है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जडेजा की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर को सिर्फ आराम दिया गया है, क्योंकि दुबे और सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों को सीरीज में मौका मिलने की संभावना है।

यह सीरीज 6 जून से शुरू होगी, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद है। अक्षर पटेल भी दोनों प्रारूपों की टीमों से बाहर हैं। अगरकर ने आगे कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवाओं को मौका देना चाहती है, क्योंकि 2027 वनडे विश्व कप में अभी 15-16 महीने बाकी हैं। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिये खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान),यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई ।राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर–19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी।ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है।ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं।बड़े–बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं।वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते।कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है।कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी।कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है।कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे।इस युवा खिलाड़ी ने इस सत्र में एक भी कैच नहीं लिया है जबकि भारत के लिए खेलते हुए उसे मैदान पर अधिक तेज होना होगा।

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

चेन्नई ।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है।इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है।फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी अच्छी नहीं रही।सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाए।हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद भी एक भी चौका नहीं लगा पाये।किसी भी सलाकी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती।वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये।इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है। मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती।फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा। असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है। हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं।उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है।वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं।उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं। इस पर उन्हें ध्यान देना होगा।वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी। फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी। उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था। स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया।उसमें ज्यादा टर्न नहीं था।

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

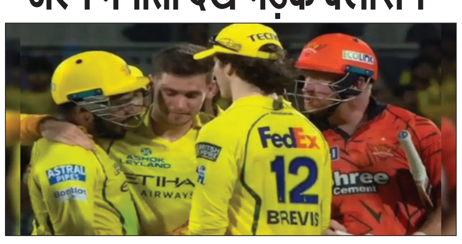

चेन्नई ।सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा।क्लासेन आउट दिये जाने पर सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जश्न मनाता हुए देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई।इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये।इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने में असफल रहे।ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराईं, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये।थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ कहा, जिस पर सैमसन ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया।यह देख मैदान पर माहौल तनावपूर्ण हो गया और अन्य खिलाड़ियों को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद क्लासेन पवेलियन लौट गये।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है।

नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, हालांकि चोटों के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है।

टीम चयन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्लो एंसेलोटी ने नेमार को टीम में शामिल करने के अपने फैसले को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है, बल्कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की सख्त जरूरत है। एंसेलोटी ने जोर देकर कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके अधिकारी होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

जहां नेमार की वापसी ने प्रशंसकों को उत्साहित किया, वहीं कई बड़े खिलाड़ियों का टीम में जगह नहीं मिली है। अनुभवी डिफेंडर थियागो सिल्वा के साथ-साथ जोआओ पेड्रो और एंड्रे सैंटोस भी टीम से बाहर हैं। रॉड्रीगो और एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, ब्राजील की टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम ग्रुप ष्ट में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगी। नेमार की वापसी से उत्साहित टीम को लक्ष्य अब खिताब जीतना रहेगा।

चेल्सी के नए कोच बने पूर्व स्पेनिश फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो

लंदन ।इंग्लैंड के चेल्सी एफसी क्लब ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो को अपनी टीम का नया मुख्य कोच बनाया है।एक रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल के मिडफील्डर अलोंसो के साथ क्लब ने चार साल का करार किया है इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होनी है।जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के कोच रहते अलोंसो तेजी से चर्चाओं में आये हैं।इसके बाद से ही वह यूरोप के शीर्ष युवा कोचों में शामिल किए जाते हैं, अब उनके सामने चेल्सी की प्रदर्शन को सुधारना एक नई चुनौती है।पिछले सप्ताह ही अलोंसो ने लंदन में चेल्सी के शीर्ष अधिकारियों के साथ अंतिम दौर की बातचीत की।इस दौरे के बाद ही दोनों पक्षों के बीच चार साल के अनुबंध पर सहमति बन पाई।गौरतलब है कि चेल्सी भी लंबे समय से एक स्थायी और प्रभावशाली कोच की तलाश में था, और अलोंसो को शुरू से ही उनकी पहली पसंद माना जा रहा था।गौरतल है कि अलोंसो कोच के तौर पर तेजी से ऊपर आये हैं।उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन को 2023–24 सीज़न में बुंडेसलीगा खिताब दिलाकर अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था।इस ऐतिहासिक जीत ने उन्हें विश्व फुटबॉल में एक ऐसे कोच के रूप में स्थापित किया, जो युवा प्रतिभाओं को निखारने और टीम को एकजुट करने में माहिर है।लेवरकुसेन की सफलता के बाद, अलोंसो स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ भी रहे।हालांकि, उनका यह रियल के साथ प्रदर्शन कार्यकाल अच्छा नहीं रहा।उन्हें रियल मैड्रिड के ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर कई समस्याएँ थीं।वहीं ये भी कहा जाता है कि अलोंसो की सख्त रणनीति और अनुशासन–केंद्रित दृष्टिकोण कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में दोनों पक्ष अलग हो गए।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी

नई दिल्ली ।आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह–मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं।बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है।बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया।अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है।ये उपलब्धियाँ न केवल खेल में कई कंपनियों की रुचि बढ़ा रही हैं, बल्कि युवा लड़कियों के लिए महिला क्रिकेटरों को प्रमुख खेल हस्तियों और सक्षम पेशेवर खिलाड़ियों के रूप में देखने का अवसर भी प्रदान कर रही हैं।इससे खेल का भविष्य पूरी तरह बदल जाता है। वर्तमान में, डब्ल्यूपीएल में पाँच टीमें हैं, जिनमें से तीन मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पहले से ही आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व में हैं।पंजाब किंग्स जैसे बड़े ब्रांड का इसमें दिलचस्पी दिखाना भविष्य में लीग के संभावित विस्तार और महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है।यह दर्शाता है कि महिला क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक आकर्षक निवेश अवसर भी बन गया है।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15–अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15–अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं।सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी।गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं।उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21–अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं।सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा।आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा।यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे।

द्रविड़ और राठौर इतने मददगार थे कि कप्तानी के बाद मैं फिर से अपने क्रिकेट का आनंद ले सका : कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु -भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली।

कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की।

उन्होंने कहा, 'कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने RCB इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी-जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।'

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।' द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था। कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे-धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास

नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।' कोहली ने स्वीकार किया, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।'

हनु-मान के बाद अब महाकाली में दिखेंगे रोहित सराफ

मुंबई आरकेडी स्टूडियोज और फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। 'हनु-मान' की दुनिया के अगले अध्याय 'महाकाली' से अब अभिनेता रोहित सराफ जुड़ गए हैं। यही नहीं, रोहित ने इस फिल्म के लिए हैदराबाद में शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ मिल गया है।

गौरतलब है कि रोहित सराफ के जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है। खासकर नॉर्थ इंडिया में उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांकि फिल्म में अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं और दोनों कलाकारों के फर्स्ट लुक पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुके हैं।

फर्स्ट लुक के ज़रिए उनके दमदार और इंटेंस अंदाज को देखते हुए फिल्म से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। भव्य स्तर पर बनाई जा रही 'महाकाली' का निर्माण आरके दुग्गल और रिवाज रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज़ के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा की उस सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे 'हनु-मान' की सफलता के बाद और आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

सलमान खान के एक आइडिया ने 'रेडी' में मेरे किरदार को बना दिया यादगार

'सेक्रेड गेम्स', 'रेडी, 'गली बॉय' जैसी वेबसीरीज और फिल्मों में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'रेडी' के किरदार को लेकर बात की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके रोल को खास बनाने का आइडिया सुपरस्टार सलमान खान का था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बात करती नजर आईं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' मिलने का अनुभव साझा किया। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था। लेकिन, बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी इंग्लिश बोलने वाली मेड बनाया जाए, जिससे उनका रोल खास बन गया।

अभिनेत्री ने कहा, ''यह वही ऑडिशन था, जिसमें मैंने छोटी ब्लैक ड्रेस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में उनके 'हां' कहने का इंतजार कर रही थी। इस ऑडिशन में मुझे फिल्म 'रेडी' में एक मेड का रोल मिलने वाला था और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड थी। इस फिल्म को करते समय मेरे अंदर बहुत आत्मविश्वास था क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इससे पहले कभी फिल्म नहीं की थी।

फिल्म में मेरे लिए कोई डायलॉग नहीं था। फिर सलमान खान ने कहा, 'क्यों न इसे ऐसी मेड बनाया जाए जो टूटी-फूटी भाषा, खासकर टूटी-फूटी इंग्लिश बोलती हो?' अनीस सर को यह आइडिया बहुत पसंद आया और तभी मुझे फिल्म में डायलॉग मिले।''

उन्होंने आगे कहा, ''हर किसी ने मुझसे कहा कि 'रेडी' जैसा रोल करके मैं पागलपन कर रही हूं और बहुत जल्दबाजी दिखा रही हूं। अगर मैंने 'रेडी' नहीं की होती, अगर मैं इतना पागलपन नहीं दिखाती, तो मैं कभी 'कुकू' नहीं बन पाती। कभी 'न' मत कहो। कोई रोल छोटा नहीं होता, सिर्फ अभिनेता छोटे होते हैं। यह जिंदगीभर की सीख है।'

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है। जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है। सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।'

सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

पति पत्नी और वो 2 को लेकर उत्साहित सारा अली खान

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।' इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है।'

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर बोलीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है। 'अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी।' उन्होंने मुझसे कहा, 'मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने 'चिरैया' देखी और मैं बहुत रोई। उसके बाद मुझे उनका सामना करने की हिम्मत मिली।' दिव्या दत्ता ने कहा, 'सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत है। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया गया जाए तो लोग कहानी से खुद को जोड़ते हैं, तो यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है।

अब लोग जानेंगे कि मेरे दिमाग में सच में क्या चलता है

'बालिका वधू' की छोटी आनंदी बनकर घर-घर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी' के मंच पर लौट रही हैं। लेकिन, इस बार उनकी वापसी सिर्फ एक रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए नहीं है। सीजन 9 में सबसे पहले बाहर होने के बाद अविका अब अपने डर, अपनी पुरानी छवि और खुद की कमजोरियों से दोबारा भिड़ने जा रही हैं। बातचीत के दौरान अविका ने साफ कहा कि पहले वाली 'सहन करने वाली' लड़की अब बदल चुकी है। अब वह किसी की भी बदतमीजी चुपचाप सहने वालों में से नहीं हैं।

मेरे अंदर की बहादुर लड़की को लोगों ने कभी देखा ही नहीं

अविका मानती हैं कि इस बार शो में सबसे बड़ा चैलेंज कोई स्टंट नहीं, बल्कि खुद को बिना किसी पर्दे के लोगों के सामने रखना है। उन्होंने कहा, 'लोगों को ये देखना चाहिए कि उस मासूमियत के साथ मेरे अंदर एक ऐसा हिस्सा भी है जो बहादुर है और मुश्किल चीजों से डरता नहीं है। मैं चुनौतियों से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। मुझे लगता है कि लोगों ने हमेशा मेरा सिर्फ एक ही रूप देखा है। लेकिन अब शायद वो समझ पाएंगे कि मैं मेंटली कितनी मजबूत हूं और मुश्किल हालात को संभाल सकती हूं।'

मैं हमेशा सोच-समझकर बोलती थी... अब वो रोक हटानी है

इस बार अविका को सबसे ज्यादा डर ऊंचाई या खतरनाक एक्शन से नहीं...बल्कि उन चीजों से लग रहा है जिनका नाम सुनकर भी वह असहज हो जाती हैं। 'मुझे लगता है सबसे ज्यादा तनाव खुद को एक बिल्कुल अलग माहौल में साबित करने का है। रियलिटी शो मेरा जोन कभी नहीं रहे। मैं हमेशा बहुत सावधान रही हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए, कैसे रिएक्ट करना चाहिए ...मेरी छवि कैसी दिखनी चाहिए। मैं हर चीज बहुत सोच-समझकर बोलती हूं। लेकिन रियलिटी शो में आप हर वक्त खुद को रोक नहीं सकते। मुझे लगता है कि उस रोक को हटाना किसी भी स्टंट से ज्यादा मुश्किल है। शायद पहली बार लोग मुझे बिल्कुल असली रूप में देखेंगे।'

अविका मानती हैं कि इस बार लोग उनका ऐसा रूप देखने वाले हैं, जिसे उन्होंने वर्षों तक सबसे छिपाकर रखा। 'मैं खुद को बहुत ज्यादा कॉम्पिटिटिव नहीं कहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं प्रतियोगिता के बिना नहीं रह सकती। मुझे मस्ती करना पसंद है। लेकिन अगर मैं किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हूं, तो मैं उसे हल्के में भी नहीं लूंगी। मैं पूरी ईमानदारी के साथ मुकाबला करूंगी। मुझे लगता है कि रोहित शेट्टी मेरा बदलाव देखकर हैरान होंगे। क्योंकि जब मैं सीजन 9 में 21 साल की उम्र में गई थी, तब मैं बहुत नासमझ थी। मैं बेवकूफ थी, खुद को लेकर असमंजस में थी और काफी मोटी भी थी... लेकिन अब मैं बहुत अलग हूं। अब मैं खुद को ज्यादा समझती हूं।' शो में जाने से पहले उनके घरवाले भी काफी तनाव में हैं। वजह सिर्फ स्टंट्स नहीं, बल्कि अविका का बदला हुआ स्वभाव भी है। 'मुझे लगता है लोग मेरे असली और बेबाक रूप के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। मैंने हमेशा अपने उस रूप को बहुत छिपाकर रखा है। मैं कई चीजें बोलना चाहती थी लेकिन खुद को रोक लेती थी। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों को ठीक वैसे ही देखना चाहिए कि मेरे दिमाग में क्या चलता है, मैं हालात को कैसे देखती हूं और असल में मैं कैसी हूं।'

पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी... अब बिल्कुल नहीं

'सब लोग एलर्जी और शरीर पर होने वाले रिएक्शन को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। वो नहीं चाहते कि पिछली बार जैसा अनुभव दोबारा हो। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता इस बात से ज्यादा डरते हैं कि अगर किसी ने गलत व्यवहार किया तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगी, क्योंकि पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी। मैं बहुत चीजें नजरअंदाज कर देती थी। लेकिन अब मैं किसी की भी बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करती। अगर कुछ गलत लगे तो मैं चुप नहीं रह पाती।'

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं ? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे–

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ – त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है ? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

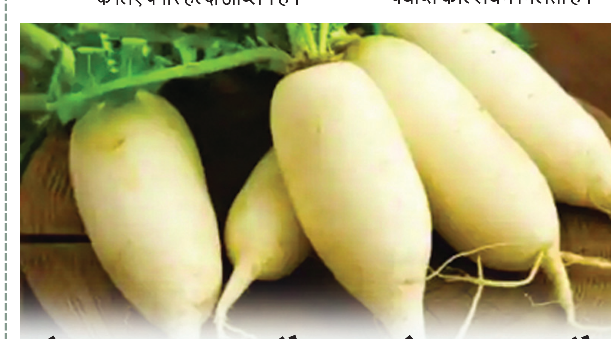

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।